RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2023-2024

सच्चाई से खबरें

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 | जयपुर, मंगलवार, 25 नवम्बर 2025 | अंक-148 | मूल्य-4 रूपये

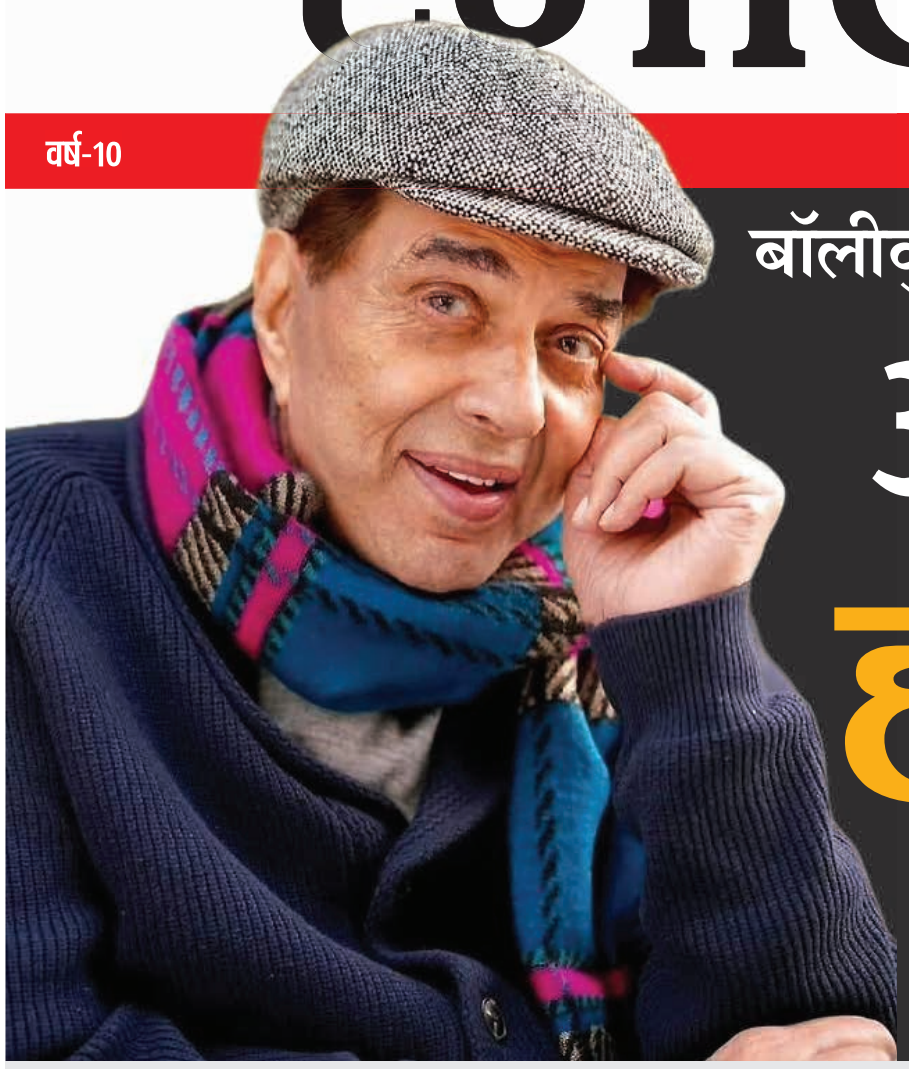

बॉलीवुड के महान अभिनेता धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन

अलविदा ही-मैन

विले पार्ले श्मशान घाट में अंतिम संस्कार

अमिताभ, सलमान-शाहरुख भी पहुंचे

प्रधानमंत्री मोदी ने दी श्रद्धांजलि

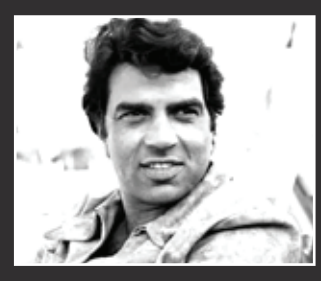

मुम्बई

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन हो गया है। 89 साल के धर्मेंद्र ने सोमवार दोपहर अपने घर पर अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार विले पार्ले श्मशान भूमि में हुआ, जिसमें सलमान खान, संजय दत्त, अमिताभ बच्चन, आमिर खान समेत कई सेलेब्स पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन को एक युग के अंत का संकेत कहा है। दोपहर में उनके घर के बाहर एम्बुलेंस पहुंची थी और विले पार्ले श्मशान भूमि में सिक्योरिटी बढ़ा दी गई थी। इसके बाद उनका पार्थिव शरीर एम्बुलेंस से श्मशान घाट पहुंचाया गया।

धर्मेंद्र कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। 10 नवंबर को उन्हें सांस लेने में दिक्कत आई थी, जिसके बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती किया गया। इस दौरान उन्हें वैंटिलेटर में रखा गया। मीडिया में उनके निधन की खबर भी आई, जिसे परिवार ने नकार दिया। 12 नवंबर को धर्मेंद्र को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया था और डॉक्टरों ने घर पर ही उनके आगे के इलाज की बात कही थी।

›› धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म होगी 'इक्कीस'

89 साल की उम्र में भी धर्मेंद्र एक्टिंग में सक्रिय थे। अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा की आगामी फिल्म 'इक्कीस' इस दिग्गज अभिनेता की आखिरी फिल्म होगी। फिल्म 'इक्कीस' की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उम्र में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभाया। वहीं अरुण खेतरपाल के रोल में अगस्त्य नंदा नजर आएंगे। यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली है।

›› दूसरे साथियों के लिए भी चैलेंज बने धर्मेंद्र

धर्मेंद्र के साथ ही करियर का शुरुआती स्ट्रगल देखने वाले मनोज कुमार भी सुपरस्टार बने. उनकी 'उपकार', 'पूरब और पश्चिम', 'रोटी कपड़ा और मकान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में उसी दौर की हैं जब धर्मेंद्र बॉक्स ऑफिस पर राज करते थे. धर्मेंद्र के स्टार बनने के बाद डेब्यू करने वाले जीतेंद्र भी 80 के दशक में उन्हें बॉक्स ऑफिस पर मिले. जीतेंद्र की 'आशा', 'मांग भरो सजना' और 'जस्टिस चौधरी' जैसी फिल्में ब्लॉकबस्टर कमाई कर रही थीं। मगर 80 की टॉप 10 लिस्ट्स में 'राम बलराम' जैसी हिट्स से धर्मेंद्र उनके लिए भी चैलेंज बने हुए थे. जब धर्मेंद्र 90 में बॉक्स ऑफिस पर कमजोर पड़ने शुरू हुए, तभी जीतेंद्र भी फीके पड़ने लगे थे. मगर धर्मेंद्र ने 80 में स्टार्स की एक नई वेव का भी डटकर सामना किया।

›› नई पीढ़ी के एक्टर्स से भी धर्मेंद्र ने किया मुकाबला

1981 में रॉकी से दमदार डेब्यू करने वाले संजय दत्त, 1982 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर लेकर आए– विधाता। लेकिन उसी साल धर्मेंद्र ने 5 से ज्यादा कामयाब फिल्में दी थीं, उनका राज बेरोकटोक जारी था। 83 में तो धर्मेंद्र के बड़े बेटे सनी देओल ने 'बेताब' से ब्लॉकबस्टर डेब्यू किया। सनी की ये फिल्म साल की दूसरी सबसे बड़ी हिट थी। उस साल भी टॉप 10 में धर्मेंद्र की दो फिल्में थीं– नौकर बीवी का, और जानी दोस्त। 87 में जब अनिल कपूर ने 'मिस्टर इंडिया' से बॉक्स ऑफिस टॉप किया, तब धर्मेंद्र 'हुकूमत' से उनके साथ रेस में थे। 1988 में जब आमिर खान ने 'कयामत से कयामत तक' से ब्लॉकबस्टर डेब्यू किया, तो धर्मेंद्र की 'सोने पे सुहागा' टॉप फिल्मों में थी।

›› लंबे समय से बीमार थे धर्मेंद्र

8 दिसंबर 1935 को जन्मे धर्मेंद्र कुछ दिन पहले ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे। कई दिनों तक अस्पताल में इलाज चला। इसके बाद उनका इलाज घर पर ही किया जाने लगा। लेकिन वक्त के साथ तबीयत नहीं सुधरी और आज सोमवार यानी 24 नवंबर 2025 को धर्मेंद्र का निधन हो गया।

देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश बने जस्टिस सूर्यकांत

नई दिल्ली

जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में हुए समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद बहन और बड़े भाई के पैर छुए। इस कार्यक्रम में उनके परिवार के लोग भी शामिल हुए।

शपथ के बाद सीजेआई सूर्यकांत ने प्रधानमंत्री मोदी समेत अन्य लोगों से मुलाकात की। वे पूर्व सीजेआई बीआर गवई से गले मिले। इस समारोह में ब्राजील समेत सात देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज भी राष्ट्रपति भवन पहुंचे।

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में पहली बार किसी सीजेआई के

शपथ ग्रहण में इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी रही। समारोह में भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और उनके परिवार के सदस्य भी पहुंचे।

इस दौरान पूर्व सीजेआई गवई ने एक नई मिसाल कायम की। शपथ ग्रहण समारोह के बाद उन्होंने अपनी आधिकारिक गाड़ी राष्ट्रपति भवन में ही अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्यकांत के लिए छोड़ दी।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के हेड होंगे सीजेआई सूर्यकांत

सीजेआइ सूर्यकांत ने बेंच जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर के साथ कोर्ट रूम नंबर 1 में आधिकारिक कार्यवाही शुरू की। जस्टिस सूर्यकांत अब पांच मेंबर वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के हेड भी होंगे।

पांच मेंबर वाला कॉलेजियम जो सुप्रीम कोर्ट के जजों को चुनता है और हाईकोर्ट के जजों के ट्रांसफर पर फैसला करता है, उसमें अब सीजेआई कांत और जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एमएम सुंदरेश शामिल होंगे।

तीन सदस्यों वाले कॉलेजियम में, जो हाईकोर्ट के जजों को चुनता है, सीजेआई और जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस बीवी नागरत्ना सदस्य होंगे। भले ही जस्टिस कांत का सीजेआई के तौर पर लगभग 14 महीने का कार्यकाल है, कॉलेजियम में सिर्फ एक बदलाव होगा, जब जस्टिस माहेश्वरी 28 जून, 2026 को रिटायर होंगे।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा कॉलेजियम के सदस्य बनेंगे। सीजेआई कांत के रिटायर होने के बाद, जस्टिस जेबी पारदीवाला कॉलेजियम में शामिल होंगे।

सीजेआई सूर्यकांत का कार्यकाल 14 महीने का होगा

वर्तमान सीजेआई बीआर गवई का कार्यकाल रविवार 23 नवंबर को खत्म हो गया। उनके बाद अब जस्टिस सूर्यकांत यह जिम्मेदारी संभालेंगे। जस्टिस सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे और उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा।

उदयपुर में 60 करोड़ लेने वाली जेनिफर लोपेज की परफॉर्मेंस, इंटरनेशनल स्टार के साथ झूमे गेस्ट

उदयपुर

उदयपुर में अमेरिकी अरबपति रामा राजू मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना की शादी वामसी गडिराजू से 23 नवंबर (रविवार) को हुई। लगातार 3 दिनों तक चले प्रोग्राम के बाद रविवार रात सिटी पैलेस में रिसेप्शन हुआ।

इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेटे ट्रम्प जूनियर नजर आए। उनके साथ उनकी गर्लफ्रेंड बेटीना एंडरसन भी थीं। ट्रम्प जूनियर आज शाम करीब 5 बजे चार्टर प्लेन से अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे।

इससे पहले रविवार रात जनाना महल में हॉलीवुड सिंगर जेनिफर लोपेज ने कई गानों पर परफॉर्म किया। लोपेज ने अपने कई पॉपुलर

चार्टबस्टर सॉन्ग पर धमाकेदार परफॉर्मेंस दी। पार्टी में मौजूद कई गेस्ट भी उनके साथ झूमते नजर आए। अलग-अलग सोर्सेज के अनुसार लोपेज इंडिया में परफॉर्मेंस के लिए करीब 60 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं। हालांकि इस वेडिंग की फीस को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

वहीं, रिसेप्शन में ट्रम्प जूनियर ने दूल्हा-दुल्हन को नए सफर की बधाई दी। शादी में साउथ स्टार रामचरण भी पहुंचे थे। पिछोला झील के बीचों-बीच जग मंदिर पैलेस में रविवार दोपहर शादी हुई।

रस्में दक्षिण भारतीय हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुईं। होटल लीला और लेक पैलेस से नाव के रास्ते सभी मेहमानों को जग मंदिर लाया गया। भारतवंशी अमेरिकी बिजनेसमैन की बेटी की शादी के फंक्शन 21 नवंबर से 23 नवंबर तक चले। शादी जग मंदिर पैलेस में हुई। 22 नवंबर को बारात निकाली गई थी, जिसमें दूल्हा जयपुर के हाथी 'बाबू' पर बैठकर पहुंचा था।

भारतीय नौसेना में स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस माहे शामिल

समुद्र में दुश्मन पनडुब्बियों को तलाशेगा

मुंबई

स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस माहे सोमवार को भारतीय नौसेना में कमीशन किया गया। यह माहे-क्लास का पहला पनडुब्बी रोधी (एंटी सबमरीन) और उथले पानी (जहां पानी की गहराई कम हो) में चलने वाला युद्धपोत है, जो तटीय इलाकों के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है।

मुंबई में हुए समारोह में आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी मुख्य अतिथि रहे। द्विवेदी ने तीनों सेनाओं की संयुक्त ताकत पर जोर दिया। उन्होंने कहा- सशस्त्र बलों की सबसे बड़ी शक्ति सिनर्जी है। ऑपरेशन सिंदूर इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह जहाज उथले पानी में ऑपरेशन, तटीय इलाकों में गश्त, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और दुश्मन पनडुब्बियों की तलाश जैसे कामों में बड़ी भूमिका निभाएगा। ये काम बिना शोर के करने की काबिलियत के चलते इसे 'साइलेंट हंटर' नाम दिया गया है।

आईएनएस माहे को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने तैयार किया है, जो नौसेना की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का एक मजबूत कदम माना जा रहा है। नौसेना ने इसे 'नए दौर का तेज, फुर्तीला और आधुनिक भारतीय युद्धपोत' कहा है।

आईएनएस माहे भारतीय नौसेना की नई पीढ़ी का युद्धपोत है, जिसे विशेष रूप से एंटी-सबमरीन वॉरफेयर के लिए तैयार किया गया है। यह शैलो वॉटर यानी कम गहराई वाले समुद्री क्षेत्रों में भी उच्च सटीकता (हाई-प्रिसिजन) के साथ ऑपरेशन करने में सक्षम है। इसका 80 प्रतिशत हिस्सा भारत में ही बना है। यह एक मल्टी-रोल वॉरशिप है, जो कोस्टल डिफेंस, अंडरवॉटर सर्विलांस और सर्च-एंड-रेस्क्यू जैसे कई महत्वपूर्ण मिशन में तैनात किया जा सकता है। इसमें माइन ले-ड्रॉपिंग की क्षमता भी है, जिससे यह समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने और दुश्मन की गतिविधियों को रोकने में सक्षम है।

इंडिया गेट पर नक्सली हिड़मा के पोस्टर लहराए लाल सलाम और अमर रहे के नारे लगे, 22 गिरफ्तार

नई दिल्ली

दिल्ली में इंडिया गेट पर रविवार देर शाम वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल लोगों ने देश के मोस्ट वांटेड नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44) के पोस्टर लहराए। पोस्टरों में हिड़मा की तुलना आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा से की गई। हिड़मा को जल, जंगल और जमीन का रखवाला बताया गया।

प्रदर्शनकारियों ने 'माड़वी हिड़मा अमर रहे' जैसे नारे लगाए। उन्होंने पोस्टरों पर भी 'माड़वी हिड़मा को लाल सलाम' जैसे नारे लिखे थे। एक प्रदर्शनकारी के पोस्टर पर लिखा था 'बिरसा मुंडा से लेकर माड़वी हिड़मा तक, हमारे जंगलों और पर्यावरण का संघर्ष जारी रहेगा।

प्रदर्शन के दौरान भीड़ की पुलिस से हाथापाई भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर मिर्च स्प्रे कर दिया, जिससे तीन-चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को दो थानों में एफआईआर दर्ज की हैं। अब तक 22 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

बता दें कि नक्सली हिड़मा एक करोड़ का इनामी नक्सली था। सुरक्षाबलों ने 18 नवंबर को आंध्र प्रदेश के एलूरी सीताराम राजू जिले में हिड़मा को एनकाउंटर में मार गिराया था। वह ढाई दशक से छत्तीसगढ़ के बस्तर में एक्टिव था। वह 26 बड़े हमलों का मास्टरमाइंड था।

इजराइल में 9 टॉप अफसर सेना से बर्खास्त

तेल अवीव

इजराइल में 9 टॉप सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इजराइल डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जामिर ने कहा कि ये अधिकारी हमास के हमले को रोकने में नाकाम रहे थे। 7 अक्टूबर 2023 को हुए इस हमले में 1200 से ज्यादा इजराइली लोगों की मौत हुई थी। इजराइल में हमास हमले को लेकर हुई सुरक्षा चूक और उसकी निष्पक्ष जांच को लेकर रविवार को प्रदर्शन हुए। इसमें कम से कम 5 लाख लोग शामिल हुए। इसके बाद से सरकार पर इन अधिकारियों को बर्खास्त करने का दबाव बढ़ गया था। आईडीएफ चीफ जामिर ने रविवार को इन अफसरों को मीटिंग के लिए बुलाया और उनकी बर्खास्तगी का फैसला सुनाया।

अनमोल बिश्नोई से पूछताछ में बड़े आतंकी-गैंगस्टर गठजोड़ का खुलासा हो सकता है: सुरक्षा विशेषज्ञ

नई दिल्ली

भारत के आंतरिक सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई से चल रही पूछताछ से बड़े आतंकी-गैंगस्टर गठजोड़ का पता चल सकता है, जो पूरे देश में, खासकर उत्तर भारत में फैला हुआ है। इसके अलावा, भारत में आतंकी गतिविधियों के लिए फंड जुटाने के तरीकों का भी पता चल सकता है।

उत्तर प्रदेश और असम के पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह ने सोमवार को ईटीवी भारत से कहा, 'हां, अनमोल बिश्नोई से पूछताछ में भारत में

आतंकी-गैंगस्टर गठजोड़ के संबंध में कई अहम बातें सामने आ सकती हैं। बिश्नोई गैंग उन कुख्यात गैंग में से एक है जो लक्षित हत्याएं, असामाजिक गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल है। '

सिंह के अनुसार, बिश्नोई से पूछताछ में बाबा सिद्दीकी और सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड जैसे कई मामलों में पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों को भी मदद मिलने की संभावना है।

हाल ही में अमेरिका से प्रत्यर्पित किया गया अनमोल बिश्नोई फिलहाल एनआईए की कस्टडी में है। एनआईए अधिकारी उससे बिश्नोई गैंग की आतंकी गतिविधियों के लिए फंड जुटाने और युवाओं को भर्ती करने के अलावा लक्षित हत्याओं में शामिल होने के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। दरअसल, एनआईए ने बिश्नोई के खिलाफ दर्ज अपनी एफआईआर कॉपी में फंड जुटाने, आतंकी गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती और लक्षित हत्या जैसे अपराधों का जिक्र किया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने ही 4 अगस्त, 2022 को लॉरेंस बिश्नोई समेत आठ आरोपियों के खिलाफ भारत और विदेश में क्रिमिनल सिंडिकेट चलाने, दिल्ली और अन्य राज्यों में आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंड इकट्ठा करने और युवाओं की भर्ती करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी। इनमें अनमोल बिश्नोई भी शामिल था।

आतंकी गतिविधियों में शामिल था बिश्नोई गैंग

एफआईआर के अनुसार, बिश्नोई और गैंग के अन्य सदस्य अपने कारनामों को प्रचारित करने के लिए साइबरस्पेस और सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे थे, जिसका उद्देश्य लोगों में डर और आतंक पैदा करना था। एफआईआर के अनुसार, गैंग के सदस्य रंगदारी, आपराधिक धमकी, नारकोटिक्स की तस्करी, गैर-कानूनी हथियारों की बिक्री आदि के जरिये फंड इकट्ठा करने में शामिल थे। इससे मिले फंड का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों को वित्त पोषित करने और ऐसी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए अपने गैंग में असरदार युवाओं को भर्ती करने के लिए किया जाना था।

प्रदेश में हवा चलने से सर्दी कम हुई

जयपुर

राजस्थान में उत्तरी हवा के साथ पश्चिमी हवाएं आने से रात के तापमान में बढ़ोतरी हो गई है। रविवार को 6 शहरों को छोड़कर शेष सभी में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज हुआ। कुछ जिलों में स्मॉग (धुंध) का प्रभाव रहा। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राजस्थान में अगले 4-5 दिन इसी तरह का मौसम बरकरार रहने और तापमान में कोई विशेष उतार-चढ़ाव नहीं होने की संभावना जताई है।

पिछले 24 घंटे के दौरान मैदानी इलाकों में सबसे कम तापमान फतेहपुर में 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। उत्तरी हवाओं के थोड़ा कमजोर होने से फतेहपुर में पिछले एक सप्ताह में तापमान करीब 2 डिग्री तक बढ़ गया। 5-6 दिन पहले तापमान 5 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज हो रहा था।

फतेहपुर के अलावा रविवार को सीकर में न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस, दौसा में 9.3, चूरू में 9.1, नागौर में 8.9, जालौर में 8.6 और बीकानेर के पास लूनकरणसर में 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हिल स्टेशन माउंट आबू में लगातार दूसरे दिन तापमान 2 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ।

सीएम स्टालिन कल कोयम्बटूर में सम्मोझी पूंगा पार्क का करेंगे उद्घाटन

कोयम्बटूर (एजेंसी)। साल 2010 में विश्व शास्त्रीय तमिल सम्मेलन के दौरान दिवंगत द्रमुक नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने इस पार्क के स्थापना की घोषणा की थी। इसके बाद दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पार्क के शिलान्यास समारोह में भाग लिया था। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में रविवार को कहा गया कि मुख्यमंत्री स्टालिन अब 25 नवंबर को पार्क का उद्घाटन करेंगे। इसी दिन से पार्क को आम जनता के लिए भी खोल दिया जाएगा। इसके बाद सीएम स्टालिन कोयंबटूर में आयोजित टीएन राइजिंग कॉन्क्लेव में भी हिस्सा लेंगे। इसमें विभिन्न कंपनियों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद जताई गई है। इसी के साथ ही जारी विज्ञप्ति में बताया गया है, कि मुख्यमंत्री स्टालिन 26 नवंबर को इरोड में एक सरकारी समारोह में भाग लेंगे। इस दौरान सीएम स्टालिन पूरी हो चुकी अनेक परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

आरजीआई एयपोर्ट पर बम की धमकी निकली अफवाह

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम रखे होने धमकी जांच के बाद अफवाह निकली। दरअसल एयरपोर्ट पर बम रखे होने संबंधी एक ईमेल मिला था, जिसके बाद जांच की गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि हवाई अड्डे के ग्राहक सेवा विभाग को शुक्रवार को एक बम वाला ईमेल मिला था। इस ईमेल में कहा गया था, कि हवाई अड्डे के आगमन इलाके में बम फटेगा। इस ईमेल के माध्यम से संबंधित जगह की जांच करने और यात्रियों को हवाई अड्डा खाली करने का सुझाव देने को भी कहा गया था। पुलिस के अनुसार जांच करने के बाद बम की धमकी अफवाह साबित हुई।

एयरपोर्ट परिसर में दो बार लेपर्ड देखा गया, निगरानी बढ़ाई

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे हवाई अड्डा परिसर में एक ही दिन में दो बार तेंदुआ देखे जाने की बात सामने आई है, जिसके बाद अधिकारियों ने परिसर इलाके की निगरानी बढ़ा दी है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने उक्त जानकारी शनिवार को देते हुए बताया कि सप्ताह के प्रारंभ में एक ही दिन में दो बार लेपर्ड देखे जाने की सूचना मिली थी। इसी के साथ ही आधिकारिक बयान में बताया गया, कि हवाई अड्डा के अधिकारियों ने वन विभाग को इसकी जानकारी दी, कि जानवर को सबसे पहले 19 नवंबर को सुबह करीब 5.30 बजे और बाद में शाम करीब 7.40 बजे देखा गया था। इस पर वन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि तेंदुआ पकड़ने के लिए संबंधित जगह पर एक पिंजरा लगाया गया है। इसके साथ ही जंगली जानवर की गतिविधि पर नजर रखने के लिए कैमरे भी लगाए गए हैं। फिलहाल इससे ज्यादा कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है, देखे जाने या पकड़े जाने के बाद ही अन्य जानकारी दी जा सकेगी।

सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को पकड़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित पीपल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय सदस्य को शनिवार को काकचिंग जिले में एक जांच चौकी पर पकड़ा, जबकि उसी दिन बिष्णुपुर जिले के मोइरंग कोंजेंगबाम से संगठन के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को टेंग्नौपाल जिले के मोरेह गेट से प्रतिबंधित पीआरईपीएके के एक सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया था। केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक और सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के युमनाम हुइड्रोम में उसके घर से पकड़ा था। उन्होंने कहा कि इन उग्रवादियों के पास से राइफल और पिस्तौल समेत हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये गिरफ्तारियां राज्य में जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर संचालित खुफिया जानकारी पर आधारित छानबीन, घेराबंदी और तलाशी अभियान के तहत की गईं।

मेट्रो स्टेशन के पास लगी आग से मचा हड़कंप, जाम लगने से लोगों को हुई भारी परेशानी

नोएडा (एजेंसी)। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास शनिवार शाम अचानक आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया। आग लगने के कारण सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में भीषण ट्रैफिक जाम लग गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार शनिवार शाम लगभग 7 बजे सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास से गुजर रही एक स्कॉर्पियो कार के बोनट से अचानक धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग भड़क गई। सड़क पर चल रहे वाहन पर अचानक लगी आग को देखकर आसपास मौजूद लोग घबरा गए और वाहन चालकों ने अपनी गाड़ियां बीच सड़क पर ही रोक दीं, जिससे ट्रैफिक रुक गया और लंबा जाम लग गया।

अग्निशमन विभाग ने मौके पर पहुंचकर बुझाई आग

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि टीम ने एक फायर टेंडर की मदद से आग पर तुरंत काबू पा लिया। उन्होंने कहा, कार के बोनट में आग लगी थी। हमारी टीम मौके पर पहुंची और तुरंत उसे बुझा दिया। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई। आग बुझाने के बाद सड़क से कार हटाई गई और यातायात फिर से सामान्य किया गया। लगभग आधे घंटे तक जाम से जूझने के बाद राहगीरों ने राहत महसूस की।

महाराष्ट्र में लूट करने वाले तीन आरोपी कर्नाटक से गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक मकान में घुसकर लूटपाट करने के आरोप में पुलिस ने कर्नाटक से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 10 लाख रुपए मूल्य के आभूषण और अन्य सामान बरामद किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना 18 नवंबर को वसई इलाके के सातीवली स्थित एक मकान में घटी थी।

अगर आपके पास वोट हैं, तो मेरे पास फंड, हमें रिजेक्ट करोगे तो हम भी...

-डिप्टी सीएम अजित पवार के पंचायत चुनाव में दिए बयान पर सियासत गरमाई

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के मालेगांव में पंचायत चुनाव प्रचार के दौरान दिए बयान पर सियासत गरमा गई है। दरअसल अजित पवार ने एक रैली में वोटर्स से कहा था कि अगर आपके पास वोट है, तो मेरे पास फंड है। विपक्ष ने इसे लेकर चुनाव आयोग से सवाल पूछा है।

बता दें अजित पवार ने कहा था कि अगर जनता उनकी पार्टी के उम्मीदवार को चुनेंगे तो वे शहर में फंड की कोई कमी नहीं होने देंगे, लेकिन यदि वे उन्हें रिजेक्ट करते हैं, तो वे भी रिजेक्ट कर देंगे। आपके पास वोट हैं, मेरे पास फंड है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख अजित पवार शुक्रवार को बारामती तहसील में मालेगांव नगर पंचायत चुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे। पवार महाराष्ट्र सरकार में वित्त मंत्री भी हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे ने अजित पवार पर मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि फंड आम लोगों के टैक्स से आता हैं, न कि अजित पवार के घर से। अगर पवार जैसे नेता वोटर्स को धमका रहे हैं, तो चुनाव आयोग क्या कर रहा है?÷ नगर पंचायत चुनाव 2 दिसंबर को होना हैं। अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और बीजेपी समर्थित पैनल ने मालेगांव में गठबंधन किया है। मालेगांव बारामती का वह इलाका है, जहां अजित पवार परिवार का राजनीतिक प्रभाव है।

बता दें इससे पहले भी 26 सितंबर को अजित पवार मराठवाड़ा के धाराशिव में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे थे। यहां पर उनका किसानों से बातचीत का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे कर्ज माफी की मांग पर गुस्सा करते नजर आ रहे हैं। जब एक किसान ने कर्ज माफी की मांग की तो डिप्टी सीएम अजित पवार ने गुस्से में कहा था- इसे मुख्यमंत्री बना दो! क्या तुम्हें लगता है कि हम कंचे खेलने आए हैं?

ईडी ने झारखंड-पश्चिम बंगाल में मारे छापे, 14 करोड़ नकदी व सोना जब्त

-कोयला घोटाले को लेकर एजेंसी ने दोनों राज्यों में 44 ठिकानों की ली तलाशी

रांची (एजेंसी)। ईडी ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक कथित कोयला माफिया नेटवर्क के खिलाफ तलाशी में 14 करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी और सोना जब्त किया है। इस मामले में ईडी ने बयान में कहा कि कोयले के बड़े पैमाने पर अवैध खनन, चोरी, परिवहन, भंडारण और बिक्री के मामले में दोनों राज्यों में 44 ठिकानों पर छापे मारे गए थे। ईडी से मिली जानकारी के मुताबिक छापे में करीब 14 करोड़ रुपए से जयादा की नकदी, आभूषण और सोना, कोयला गिरोह से जुड़े अलग-अलग प्रॉपर्टी के दस्तावेज और जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित समझौते, कई डिजिटल उपकरण, नेटवर्क द्वारा नियंत्रित संस्थाओं के खाता बही आदि जब्त किए हैं। एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने के लिए दोनों राज्यों में पुलिस द्वारा दर्ज की गई कई एफआईआर का संज्ञान लिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी ने बताया कि एफआईआर से संकेत मिलता है कि झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक विशाल अवैध कोयला आपूर्ति नेटवर्क चल रहा है। ईडी ने कहा कि तलाशी में जब्त किए गए दस्तावेज और दूसरे रिकॉर्ड से एफआईआर में लगाए गए आरोपों की पुष्टि हुई है। इन दस्तावेजों से स्थानीय अधिकारियों की मदद से चल रहे एक ऑर्गनाइज्डरैकेट का भी पता चला है। ईडी की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि यह सिंडिकेट पश्चिम बंगाल और झारखंड के बॉर्डर इलाकों में सक्रिय है और इसने क्राइम से बहुत कमाई की है।

क्या जानलेवा बन रहा एसआईआर? अब तक कई राज्यों के करीब 15 बीएलओ की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) अभियान के बीच बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) की मौतें चिंता का कारण बन रहीं हैं। सवाल ये है कि अब 6 राज्यों में 15 बीएलओ की मौत हो गई है। कारण जो भी रहे हों लेकिन मौत तो हुई है। इन काम का दबाव और कर्मचारियों का टोटा जैसे दिक्कतों से इनकार नहीं किया जा सकता है। बता दें कि निर्वाचन आयोग की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार बड़े राज्यों में राजस्थान में सर्वाधिक 60.54 प्रतिशत फॉर्म डिजिटलाइज हुए हैं। वहीं, केरल में सबसे कम 10.58 प्रतिशत फॉर्म डिजिटल हो पाए हैं। कुल 98.98 प्रतिशत फॉर्म बंट चुके हैं।

विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल के नदिया में बीएलओ रिंकू का शव घर की छत से लटका मिला। सुसाइड नोट भी मिला। राज्य में एसआईआर से जुड़ा दूसरा सुसाइड, तीसरी मौत है। राजस्थान के जयपुर में रविवार को बीएलओ मुकेश जांगिड़ (48) ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी। करौली में बीएलओ की मौत। सवाई माधोपुर में एक बीएलओ को हार्ट अटैक। गुजरात में 4 दिन 4 बीएलओ की मौत अहमदाबाद में फारूक और दाहोद में बचूभाई बीमार, भर्ती होकर उपचार करा रहे हैं। भोपाल में दो बीएलओ को हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। पश्चिम बंगाल में एक महिला बीएलओ ने भी आत्महत्या कर ली। मृतकों के परिजनों ने ज्यादा काम और लक्ष्य पूरा करने के दबाव को मौत का कारण बताया है। मप्र के रायसेन में शनिवार को बीएलओ रमाकांत पांडे की मौत हुई। परिजनों ने बताया कि योगेश चार रातों से नहीं सोया था। ऑनलाइन मीटिंग के बाद बेहोश होकर गिरा था। फिर बचाया नहीं जा सका। दमोह के सीताराम गोंड (50) भी फॉर्म भरते समय बीमार। इलाज के दौरान मौत। रायसेन के बीएलओ नारायण सोनी छह दिन से लापता हैं। परिजनों ने कहा, टारगेट, देर रात मीटिंग और निलंबन की चेतावनी से परेशान थे। भोपाल में शनिवार को काम कर रहीं बीएलओ कीर्ति कौशल और मोहम्मद लईक को ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक आया। दोनों भर्ती हैं। 6 नवंबर को दमोह में सड़क हादसे में श्याम शर्मा (45) की मौत। दतिया के उदयभान सिहारे (50) ने 11 नवंबर को खुदकुशी की।

बिहार हार को लेकर पीके बोले- ईवीएम हेरफेर के प्रमाण नहीं पर कुछ तो गड़बड़ हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद जन सुराज के संस्थापक और चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) ने पहली बार खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जनता में जंगल राज की वापसी को लेकर फैली आशंका और कुछ छिपे हुए कारक उनकी पार्टी की हार की बड़ी वजह बने। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उनके आरोपों के समर्थन में ठोस सबूत नहीं हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान पीके ने कहा, कि चुनाव के अंतिम चरण में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने मान लिया कि जन सुराज जीतने की स्थिति में नहीं है, और उन्हें डर था कि वोट बंटने से लालू यादव के पुराने जंगल राज की वापसी हो सकती है। पीके ने कहा, अगर लोग सोचते हैं कि हमारा वोट किसी तरह आरजेडी की वापसी का मार्ग खोल देगा, तो वे जोखिम नहीं लेना चाहते। यह डर हमारे खिलाफ गया।

238 सीटों पर उतारे थे प्रत्याशी, जीता एक भी नहीं

बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 238 पर उम्मीदवार उतारने के बावजूद जन सुराज एक भी सीट नहीं जीत सकी। अनुमानित वोट शेयर 2-3 प्रतिशत के बीच

रहा और अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। ऐसे में पीके ने कहा, उनकी 18 महीने लंबी 'जन सुराज यात्रा' के दौरान मिला जनमत परिणामों से बिल्कुल मेल नहीं खाता। उन्होंने कहा, कुछ ऐसा हुआ है जो समझ से परे है। जिन पार्टियों को लोग मुश्किल से जानते थे, उन्हें भी लाखों वोट मिले। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि यह संदेह मात्र है, सबूत नहीं।

कुछ तो गलत हुआ

प्रशांत किशोर ने कहा, कि कुछ लोग उन्हें ईवीएम में हेरफेर का आरोप लगाने को कह रहे, लेकिन वे ऐसा दावा बिना सबूत के तो नहीं कर सकते हैं। इसके मेरे पास कोई प्रमाण नहीं है। लेकिन प्रथम दृष्टया कुछ तो गड़बड़ लगता है, पर क्या– यह नहीं पता।

दिल्ली बम विस्फोट: जैश मॉड्यूल में गहरे वैचारिक और वित्तीय मतभेद हुए उजागर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किला के पास 10 नवंबर 2025 को हुए कार बम विस्फोट की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जैश-ए-मोहम्मद के इस आतंकी मॉड्यूल के भीतर विचारधारा, हमले की रणनीति और धन के उपयोग को लेकर गहरी फूट थी। आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी और बाकी सदस्यों के बीच मतभेद इतने गहरे थे कि उमर ने अक्टूबर में अपने साथी अदील राथर की शादी में भी शामिल होने से इनकार कर दिया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मुजम्मिल गनई, अदील राथर और मुफ्ती इरफान वागे अल-कायदा की विचारधारा से प्रभावित थे, जो पश्चिमी देशों और दूर के दुश्मनों पर हमले को प्राथमिकता देती है। वहीं डॉ. उमर उन नबी आईएसआईएस की कट्टर विचारधारा की ओर झुके हुए थे। उनका मानना था कि पहले करीबी दुश्मन (भारत) को निशाना बनाना चाहिए और खिलाफत स्थापित करना ही सर्वोच्च लक्ष्य है।

उमर खुद को कश्मीर के कुख्यात आतंकियों बुरहान वानी और जाकिर मूसा की विरासत का उत्तराधिकारी मानता था। यही वैचारिक टकराव मॉड्यूल की एकता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया था। समूह के अधिकांश सदस्य (वागे को छोड़कर) पहले अफगानिस्तान जाकर प्रशिक्षण लेना चाहते थे, लेकिन असफल रहे। इसके बाद उन्होंने भारत में ही बड़ा हमला करने का फैसला किया। डॉ. उमर 2023 से ही इंटरनेट पर आईईडी बनाने की तकनीक पर गहन रिसर्च कर रहा था और फरीदाबाद में किराए के मकान में रसायनों के साथ प्रयोग करता था। मॉड्यूल को मिले फंड को लेकर भी तीखी नोंक-झोंक थी। उमर पर धन के दुरुपयोग का आरोप था। जांच में पता चला है कि मुख्य वित्तीय सहायता अल फलाह विश्वविद्यालय की छात्रा शाहीन शाहिद अंसारी ने की थी, जो मुजम्मिल गनई की सहपाठी थी। शाहीन ने कथित तौर पर संगठित क्राउडफंडिंग से करीब 20 लाख रुपये जुटाए थे। वह जैश की महिला भर्ती शाखा 'जमात-उल-मोमिनात' से जुड़ी थी और फरीदाबाद ऑपरेशन के लिए धन व संसाधन जुटाने में अहम भूमिका निभा रही थी।

अक्टूबर में मुफ्ती इरफान वागे की गिरफ्तारी के बाद उमर ने 18 अक्टूबर को कश्मीर के काजीगुंड में बाकी सदस्यों से मुलाकात की। इस बैठक में उसने अपने साथियों को अपनी आईएसआईएस-प्रेरित रणनीति पर सहमत करने की कोशिश की और कथित तौर पर सफल भी रहा। ठीक तीन सप्ताह बाद दिल्ली में विस्फोट हो गया। वागे की गिरफ्तारी से पुलिस को पूरे मॉड्यूल तक पहुंच मिली। फरीदाबाद से 2900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद हुई, जिसमें उच्च क्षमता वाले विस्फोटक, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, रिमोट कंट्रोल और प्रज्वलन उपकरण शामिल थे। उमर और गनई दोनों के पास उस कमरे की चाबियां थीं जहां यह सामग्री छिपाई गई थी। यह मामला दर्शाता है कि आतंकी संगठन कितने भी संगठित दिखें, उनके अंदर वैचारिक और व्यक्तिगत मतभेद उन्हें कमजोर करते हैं। फिर भी, ये मतभेद आम नागरिकों की जान लेने से उन्हें नहीं रोक पाते।

मौर्य बोले- अगला नंबर पश्चिम बंगाल में ममता दीदी और फिर यूपी में अखिलेश का

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत से खासे खुश उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ऐसा कुछ कह दिया है, जिसकी चर्चा चारों ओर हो रही है। दरअसल मौर्य का कहना है, कि बिहार के बाद अब अगला नंबर ममता दीदी जी और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

दरअसल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक दिन पहले ही भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग पर साजिश रचने का आरोप लगाया था, जिसके बाद रविवार को डिप्टी सीएम मौर्य ने संकेत दिया, कि अगले चुनावों में पश्चिम बंगाल और फिर उत्तर प्रदेश में महागठबंधन को पराजय का सामना करना पड़ेगा। मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेट्फार्म 'एक्स' में एक पोस्ट करते हुए कहा, कि बिहार चुनाव के दरम्यान खुद गोता लगाने के साथ राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को लपेटे में लेकर महागठबंधन

का भविष्य भी लिख दिया। अब अगला नंबर ममता दीदी जी (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के सह प्रभारी रहे डिप्टी सीएम मौर्य की इस पोस्ट को लेकर अब राजनीतिक गलियारे में जोर-शोर से चर्चा शुरु हो गई है। इसके बहाने एक बार फिर केंद्र और चुनाव आयोग निशाने पर आ गए हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने दो तिहाई बहुमत से जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया। ऐसे में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा, कि भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर साजिश के तहत उन विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बहाने 50 हजार से अधिक वोट काटने की तैयारी कर रहे हैं, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा और इंडिया गठबंधन ने जीत हासिल की थी। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने दावा किया कि उन्हें जानकारी हासिल हुई है कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में जीत पक्की करने भाजपा ने निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर बड़ी तैयारी की हुई है।

जबलपुर में छात्र के जय श्रीराम बोलने पर पिटाई, हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

-स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक छात्र के जय श्रीराम बोलने पर छात्र को पीटने के आरोप स्कूल पर लगे हैं। घटना को लेकर हिंदू संगठन और परिजनों ने स्कूल पहुंचकर हंगामा किया और नारेबाजी की। छात्र का आरोप है कि पहले भी उसको कलावा पहनने पर टीचर ने पीटा था। पुलिस ने जांच कर उचित कार्यवाही की बात कही है। वहीं हिंदू संगठनों ने स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप लगाया है।

घटना जबलपुर जिले के पाटन तहसील के एक मिशन स्कूल की बताई जा रही है। छात्र प्रबल सिंह राठौर का आरोप है कि उसने स्कूल के गार्ड को जय श्रीराम बोलते हुए गेट के अंदर जैसे ही कदम रखा एक शिक्षक ने उससे पूछा कि यह क्या तरीका है। इसके साथ ही टीचर ने छात्र की पिटाई कर दी और उसे आगे से गुड मॉर्निंग कहने को कहा। यह जानकारी लगते ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ बच्चे के परिजन ने स्कूल घेर लिया और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब आधे घंटे तक थाने में हंगामा होता रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले को लेकर स्कूल के प्राचार्या का कहना है कि छात्र को समझाइश देने के रूप में पीटा गया है। इसका उद्देश्य गलत नहीं था। विवाद बढ़ता देख पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और संचालक के खिलाफ शिकायत मिलने पर जांच की बात कही। इसके बाद हिंदू संगठन के कार्यकर्ता और बच्चे के परिजन पाटन थाने पहुंचे और संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। पाटन थाना प्रभारी ने कहा कि 8वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र प्रबल सिंह के साथ हिंदू संगठन के कुछ कार्यकर्ता आए थे। पूछताछ में बच्चे ने बताया कि स्कूल संचालक ने जय श्रीराम कहने पर उसकी पिटाई कर दी। मिली शिकायत पर जांच शुरू कर दी गई है। मामले में स्कूल के प्राचार्य ने कहा कि छात्र को मारने का उद्देश्य नहीं था। प्रबल का बोलने का तरीका ठीक नहीं था। इस वजह से स्कूल संचालक ने उसे डांटा जिस तरह से जय श्रीराम नाम को लेकर मुद्दा बनाया जा रहा है यह ठीक नहीं है।

उत्तराखंड-हिमाचल में नवंबर की पहली बर्फबारी: बर्फ से ढका बद्रीनाथ धाम, जमी झील

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम ने करवट ली है। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई। पूरी ऊंचाई वाला मंदिर परिसर बर्फ की मोटी सफेद चादर से ढक गया। तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। चमोली की ही ऊंचाई वाली शेषनेत्र झील पूरी तरह जम गई है। वहीं पिथौरागढ़ जिले के 14,500 फीट पर स्थित आदि कैलाश क्षेत्र में भी भारी बर्फबारी दर्ज की गई, जिससे ओम पर्वत सहित सभी पवित्र झीलें जम गईं। बर्फ से ढके मनोरम दृश्य देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं।

इधर, राजस्थान में लगातार सता रही कड़ाके की ठंड को एक सप्ताह बाद ब्रेक लगा है। शुक्रवार को अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, जिससे कई जगहों पर पारा सिंगल डिजिट से डबल डिजिट में पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो सप्ताह तक तापमान में कोई बड़ी गिरावट की संभावना नहीं है। हालांकि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण सुबह-शाम घना स्मॉग छा रहा है, जिससे दिन की धूप कमजोर पड़ गई है। वहीं मध्य प्रदेश में ठंड ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों में कड़ाके की सर्दी से दो लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर सहित सात जिलों में शीतलहर चल रही है। पचमढ़ी में इस सीजन का सबसे कम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नर्मदापुरम में विजिबिलिटी मात्र 500 मीटर रह गई।

एक नई अंतरराष्ट्रीय स्टडी में खुलासा हुआ है कि पिछले दशक (2015-2024) में भारत का औसत तापमान लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसके कारण हीट वेव की घटनाएं बढ़ी हैं और हर दशक में गर्म दिनों की संख्या में 5 से 10 दिन का इजाफा हो रहा है। 1950 के बाद से सबसे गर्म दिन का तापमान पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी भारत में 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। यह रिपोर्ट भारत, नॉर्वे और नेपाल के जलवायु विशेषज्ञों की संयुक्त टीम ने तैयार की है।

गुरलाँ गांव के सिंघाड़े ने बनाई अपनी विशेष पहचान

रोगों व उपवास में विशेष रूप में होते है प्रयोग

स्मार्ट हलचल| गुरला

गुरलां गांव भीलवाड़ा राजसमन्द राष्ट्रीय राजमार्ग 758 पर स्थित होने के कारण हर आने जाने वाले वाहन यहां रुककर सिंघाड़े खरीदते है। गुरलां गाँव स्थित रणजीत सागर तालाब में सिंघाड़े की बम्पर खेती की जाती है जो भीलवाड़ा जिले सहित कई जिलो में अपनी पहचान बनाते हुए मशहूर है। इस बार इन्द्र देव मेहरबान हुआ और मानसून का सक्रीय दौर बराबर जारी रहा। जिसके चलते गुरलां रणजीत सागर तालाब अपनी भराव क्षमता को पूरा कर पाया। साथ ही तालाब की चादर भी चलने लगी। इसी रणजीत सागर तालाब में सिंघाड़े की खेती हर वर्ष की जाती है, जो भीलवाड़ा जिले सहित आस पास के कई जिलो में अपनी पहचान गुरलां के रसीले सिंघाड़े के रूप में बनाये हुए है। गुरलां स्थित रणजीत सागर तालाब में चित्तौड़गढ़ जिले से कहार जाति के लोग यहां आकर करीब 10 से 12 बीघा में सिंघाड़े की खेती करते है।गुरला संवाददाता बद्री लाल माली ने बताया की सिंघाड़े की खेती वर्ष में केवल दो से तीन महीने ही होती है, जो शारदीय नवरात्रा से प्रारम्भ होती है और नव वर्ष के आगमन तक समाप्त हो जाती है। यहाँ से होलसेल में 5 से 6 क्विंटल सिंघाड़े प्रतिदिन गाड़ी से कांकरोली, उदयपुर,चित्तौड़गढ़ तथा भीलवाड़ा जिले की कई मंडियो मे पहुचाये जाते है। गणपत कहार ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर तालाब स्थित होने के कारण दिन भर यहां से गुजरने वाले वाहन चालक वाहन रोककर सिंघाड़े खरीदकर ले जाते है।

ऐसे तैयार होते हैं

किसान बेल से सिंघाड़े हरे या लाल रंग के निकालते हैं। इनको टीन के डिब्बों में 120 डिग्री पर आधा घंटा उबालते हैं। काले रंग का उपयोग करते हैं। हालांकि किसान रतन केवट का कहना है बिना रंग का इस्तेमाल किए भी सिंघाड़े खाने योग्य होते हे और उनका स्वाद बेहतर होता है लेकिन लोग काला सिंघाड़ा ही पसंद करते हैं। ग्राहक हरे सिंघाड़े को कच्चा मानते हैं।किसानों ने बताया कि जुलाई में बारिश से पहले या एक बारिश होने के बाद जब तालाब में कम पानी होता है तब सिंघाड़े की बेल या सिंघाड़ा लाकर तालाब में बुआई कर देते हैं। ये फसल अक्टूबर में लगने लगती है। बेल पानी के साथ ऊपर आकर सतह पर तैरती रहती है। नाव की मदद से किसान बेल तक पहुंचते हैं और सिंघाड़े तोड़ लाते हैं। बेल से किसान 10 से 15 बार सिंघाड़े तोड़ते हैं। भीलवाड़ा-उदयपुर राजमार्ग पर गुरलां के रणजीत सागर तालाब में इन दिनों सिंघाड़े की खेती की जा रही है। हर साल करीब 10 से 15 बीघा क्षेत्र में सिंघाड़े की खेती होती है। सिंघाड़े की फसल 3 महीने में तैयार हो जाती है। एक बीघा में 60 -70 हजार रुपए तक मुनाफा कमाया जा सकता है। अच्छी पैदावार होने पर मुनाफा एक लाख रुपए तक पहुंच जाता है। सिंघाड़े की खेती करने वाले -- ने बताया कि यह खेती 6 महीने की होती है। तालाब में सिंघाड़े की बेल रोपने से लेकर फसल पकने में 3 से 4 महीने लगते हैं। करीब दो महीने तक फसल लेते हैं। -- बताया कि गुरलां के सिंघाड़े पाली, जोधपुर, अजमेर, चित्तौड़गढ़, कांकरोली व उदयपुर तक जाते हैं। तालाब के किनारे गुरलां बस स्टैंड पर सिंघाड़े की खूब बिक्री होती है। 80 से 100 रुपए प्रति किलो के हिसाब से सिंघाड़े बेचे जाते हैं। गुरलां को फलों के गांव के नाम से भी जाना जाता है।

फूलियाकला में सुनसान जगह पर मिला नवजात भ्रूण, इलाके में फैली सनसनी

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शाहपुरा पंचायत समिति क्षेत्र के फूलियाकला कस्बे में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब कीर मोहल्ले के एक सुनसान हिस्से में नवजात भ्रूण पड़ा मिला। राहगीरों की नजर भ्रूण पर पड़ते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना तुरंत फूलियाकलां थाना पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि राहगीरों ने मोहल्ले के एक किनारे पर संदिग्ध हालत में भ्रूण पड़े होने की जानकारी दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात भ्रूण को कब्जे में लेते हुए अस्पताल भिजवाया। अस्पताल प्रशासन ने भ्रूण को मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया। बाद में नियमों के तहत पोस्टमार्टम करवाया गया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया के अनुसार भ्रूण का अंतिम संस्कार भी करवाया।

घटना को गंभीर मानते हुए पुलिस ने आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस मोहल्ले के लोगों से भी लगातार पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि भ्रूण को वहां किसने छोड़ा और इसके पीछे क्या परिस्थितियां रहीं। जांच टीम यह भी समझने की कोशिश कर रही है कि घटना किसी बड़े मामले से जुड़ी है या किसी ने भय या सामाजिक दबाव के कारण ऐसा कदम उठाया है।

थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने कहा कि मामला संवेदनशील है और पुलिस हर पहलू पर बारीकी से जांच कर रही है। शुरुआती जांच में कुछ महत्वपूर्ण इनपुट मिले हैं, जिनकी पुष्टि की जा रही है। उन्होंने बताया कि जैसे ही पुख्ता तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहली बार इस तरह की घटना सामने आई है, जिसने पूरे कस्बे को स्तब्ध कर दिया। लोगों ने ऐसी घटनाओं को रोकने तथा भ्रूण हत्या जैसे गंभीर अपराधों के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत बताई है। फूलियाकला पुलिस मामले को प्राथमिकता से जांच रही है और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही घटना के पीछे की सच्चाई सामने आ जाएगी।

शाहपुरा-भीलवाडा रोड पर चार मील चोराहे से दौलतपुरा मार्ग खस्ताहाल

गड्ढों से हादसे की आशंका

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शाहपुरा से भीलवाड़ा मार्ग पर चारमील चोराहे से दो किलोमीटर दौलतपुरा तक सड़क की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। मार्ग पर जगह-जगह एक से डेढ़ फीट तक गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जिससे वाहन चालकों को रोजाना जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ता है।इसी मार्ग से चार मील गांव से स्कूल के बच्चे पढने जाते हे व धार्मिक स्थल चलानिया भेरु नाथ के हर शनिवार रविवार को हजारो यात्री आवागमन के लिए नियमित रूप से इस्तेमाल करते हैं, बावजूद इसके आज तक किसी ने सड़क की मरम्मत या सुधार की दिशा में ध्यान नहीं दिया।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।ग्रामीण नारायण लाल ने जानकारी देते हुए बताया कई बार दोपहिया वाहन चालकों को इन गड्ढों की वजह असंतुलन होकर गिरते देखा गया है।

पल्स पोलियो स्टीकर में बड़ी लापरवाही

भीलवाड़ा स्वास्थ्य विभाग की भारी चूक उजागर, आमजन में फैला भ्रम

स्मार्ट हलचल| पंकज आडवाणी

भीलवाड़ा। स्वास्थ्य विभाग की गंभीर लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। 23 नवंबर 2025 के पल्स पोलियो अभियान के लिए भीलवाड़ा में छपवाए गए स्टीकरों में विभाग ने बड़ी गलती कर दी। नए अभियान की तिथि के साथ 10 दिसंबर 2023 जैसी पुरानी तारीख भी छाप दी गई–और हैरानी की बात यह है कि ऐसे त्रुटिपूर्ण स्टीकरों को बिना किसी जांच-पड़ताल के सीधे शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में भेज दिया गया।

ग्रामीण इलाकों में पहुंचे इन स्टीकरों ने आमजन और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के बीच भारी भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है। जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से न तो छपाई से पहले प्रूफ रीडिंग की गई और न ही वितरण से पहले किसी स्तर पर जांच की गई। इससे विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विभाग की ऐसी कार्यशैली तो तब है जब प्रदेश में कुछ समय पहले ही कफ सिरप कांड हुआ था जिससे बच्चों की मृत्यु तक हो गई थी और कई गंभीर बीमार हो गए थे जिसका पूरे प्रदेश में काफी बवाल भी हुआ था और चिकित्सा विभाग की प्रदेश ही नहीं अपितु देश में बदनामी हुई थी लेकिन ऐसे कांड होने के बाद भी विभाग की यह लापरवाही उजागर करती है कि विभाग अब भी गंभीर नहीं है ।

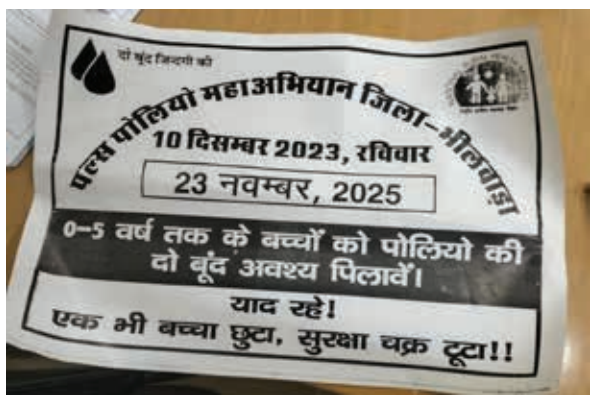

सूत्रों के अनुसार, गलत तिथि वाला सामग्री ग्रामीण क्षेत्रों में भेजकर विभाग ने अभियान की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों के स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषय पर ऐसी लापरवाही किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं है।

इतनी बड़ी चूक के लिए केवल 'सुधार' काफी है या फिर इसके लिए जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए? ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच चुकी गलत जानकारी की वजह से अब विभाग को अतिरिक्त मेहनत और संसाधन लगाने होंगे। स्वास्थ्य विभाग की ये लापरवाही एक बार फिर साबित करती है कि तैयारी से ज्यादा कागज़ी खानापूर्ति पर ध्यान दिया जा रहा है, जिसका खामियाज़ा आम जनता को भुगतना पड़ता है।

खनिज विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला कलक्टर की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

जिले में अवैध खनन के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। जिले में अवैध खनन, निर्गमन, भंडारण की रोकथाम, खनन गतिविधियों की मॉनिटरिंग तथा पर्यावरण सरंक्षण के लिए किये गये कार्यों की समीक्षा के लिए गठित जिला स्तरीय कमेटी की बैठक जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित हुई। बैठक में सदस्य सचिव ने जिले में खनिजों के अवैध खनन/निर्गमन/भंडारण के विरूद्ध चालु वित्तीय वर्ष एवं विगत 02 वर्षों में की गयी कारवाई के बारे में सभी को अवगत करवाया गया। खनिज बजरी के जिन प्लॉटों की सफल नीलामी हो गयी है और जिनकी पर्यावरण स्वीकृति अभी तक जारी नहीं हुई है। उनके संबंध में संबंधित अधिकारी को जिला कलक्टर की ओर से डीओ लेटर भिजवा कर लम्बित पर्यावरण स्वीकृति को जल्दी ही जारी करवाने संबंधित जानकारी प्रदान की। जिला कलक्टर ने जिले में परित्यक्त खदान खड़ा को चिन्हित करने के निर्देश दिये गये, जिनमें अपना संस्थान के माध्यम से और डीएमएफटी फंड से खनन पट्टो के विकास एवं पौधा रोपण हेतु काम लिये जाने हेतु निर्देश प्रदान किये गये। इसके अतिरिक्त खनिज विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं अवैध खनन निगरानी समिति के मनोनीत सदस्य राजेश सिंह राठौड़ द्वारा खनन पट्टा क्षेत्र को जोड़ने वाले रोड़ को डीएमएफटी फंड से पास करवाने के लिए अवगत करवाया गया। वन विभाग द्वारा यह प्रस्ताव दिया गया की खनन पट्टों के ओवर बर्डन पर डीएमएफटी के माध्यम से पौधारोपण कर ओवरबर्डन क्षेत्र को पुनः हराभरा किया जाना चाहिए। खनि अभियन्ता, भीलवाड़ा ने अवगत करवाया गया कि पुर में माईका के अवैध खनन के पिट को शहर के कचरा वेस्ट को भराव करवा जाये तो शहर को कचरे के वेस्ट से भी कम होगा और अवैध खनन की समस्या से भी निजात पाया जा सकेगा। जिला कलक्टर ने सभी निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने एवं भयमुक्त अवैध खनन / निर्गमन के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन), पुलिस, परिवहन, तहसीलदार, खनि अभियंता सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बाइक चोरी का खुलासा, बाइक चोर गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

प्रतापनगर थाना पुलिस ने मोटरसाईकिल चोरी की घटना का खुलासा करते हुए आरोपी ब्रहमानंद पुत्र रामचन्द्र मीणा उम्र 35 साल निवासी कमलदा वार्ड न. 09 लक्ष्मीपुरा थाना अयाना जिला कोटा हाल कीरखेडा थाना कोतवाली जिला चितोडगढ को गिरफतार किया है जिससे चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह भीलवाडा द्वारा जिले में वाहन चोरी के मामले में वांछित चल रहे अपराधियो की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत व थाना प्रतापनगर में मोटरसाईकिल चोरी की घटना को गम्भीरता से लेते हुए एएसपी पारस जैन मुख्यालय भीलवाडा के निर्देशन में एवं हेमन्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरपीएस वृताधिकारी, वृत शहर भीलवाडा के निकटतम सुपरविजन में एक विषेश टीम का गठन किया गया। दिनांक 24.11.2025 को प्रार्थी त्रिदेव सिहं रावत पिता गिरधारी सिहं रावत 30 वर्ष निवासी बी-396 आजादनगर भीलवाडा ने प्रतापनगर थाने में रिपोर्ट दी और बताया की अज्ञात चोर 20.11.2025 को शाम 7.30 पीएम बजे पन्नाधाय सर्कल के पास भीलवाडा से उसकी मोटर साईकील हीरो स्पलेण्डर प्लस को चुराकर ले गया । उक्त रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच प्रारम्भ की । गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज व संदीग्ध पुछताछ के आधार पर मोटर साईकिल चुराने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया ओर मोटर साईकिल बरामद की । टीम में राजपाल सिंह थानाधिकारी, परसराम शर्मा हैड कांस्टेबल, दिनेश कुमार जाट, राजेश जाट, केदार जाट शामिल थे।

चोरी के मामले में 3 साल से फरार महिला आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

काछोला थाना पुलिस ने चोरी के आरोप में 3 साल से फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया । एसपी धर्मेन्द्रसिंह यादव द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड के सम्बन्ध में प्रभावी कार्यवाही एवं गिरफतारी के लिए राजेश आर्य अति0 पुलिस अधीक्षक शाहपुरा व सुरेस डाबरिया पुलिस उप अधीक्षक वृत कोटडी के सुपरविजन में काछोला थाना प्रभारी बालकिशन के नेतृत्व में एक विषेश टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा लगातार मेहनत कर परम्परागत पुलिसिंग अपनाते हुए वांछित आरोपी गोरा बाई पत्नी मोहन लाल मोगीया (बावरी) उम्र 37 साल निवासी बमुलियाकला थाना अंता जिला बांरा को गिरफ्तार किया । टीम में काछोला थानाप्रभारी बालकिशन, हैड कांस्टेबल मोहनलाल, हंसराज, जीतराम, गोपेश कुमार, महिला कांस्टेबल सीमा शामिल रहे ।

बीएलओ से मारपीट कर राजकार्य में डाली बाधा, रायपुर पुलिस ने सरपंच पति को किया गिरफ्तार, जेल भेजा

स्मार्ट हलचल| पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। नांदशा जागिर गांव में गणना-प्रपत्र भरने गये बीएलओ के साथ मारपीट कर राजकार्य में बाधा पहुंचाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपित सरपंच पति को गिरफ्तार कर अदालत के आदेश से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया । रायपुर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि करौली जिले के डाबरा सपोटरा निवासी धर्मसिंह पुत्र मुरारीलाल मीणा अभी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय नांदशा जागिर में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत है। धर्मसिंह को वर्तमान में बीएलओ लगाया गया है। वे, 22 नवंबर को नांदशा जागिर गांव में गणना प्रपत्र भर रहे थे। इसी दौरान रामचंद्र पुत्र रघुनाथ बलाई, जो सरपंच के पति हैं, वहां पहुंचे और अपनी फैमिली के फार्म न भरने, कुछ ग्रामीणों को छोड़ देने की शिकायत करते हुए कहा कि वे जनप्रतिनिधि हैं और जैसा कहेंगे वैसा ही करना पड़ेगा। इस बात को लेकर बीएलओ और आरोपी के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि रामचंद्र ने बीएलओ धर्मसिंह को थप्पड़ मारा और उनके काम में बाधा डाली। इसे लेकर बीएलओ धर्मसिंह ने रायपुर थाने में केस दर्ज करवाया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच के बाद आरोपित रामचंद्र को गिरफ्तार कर लिया। उसे सोमवार को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया गया।

यूआईटी द्वारा प्रस्तावित प्लान ई-2 पर सरकार की रोक

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शहर के विकास व नए भीलवाड़ा के निर्माण हेतु यूआईटी के प्रस्तावित ई-2 प्लान को सरकार द्वारा निरस्त कर दिया गया है। सरकार द्वारा अपने आदेश में ई-2 निरस्तीकरण के साथ-साथ कई निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने हेतु यूआईटी सचिव को आदेशित किया है। सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों में उन्हीं बातों को दोहराया है। जिसमें मुख्य रूप से यह कहा गया है कि भूमि लैण्ड पुलिंग कान्सेप्ट के अंतर्गत उपयोग में लाई जाए।

योजना का क्रियान्वयन इस प्रकार हो कि भीलवाड़ा के आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बहुउद्देशीय दृष्टिकोण से कियाजाए। वर्तमान में जितने भी राजकीय कार्यालय हैं उनका स्थानान्तरण एक साथ किया जाए। जिससे सुरक्षित शासन व्यवस्था प्राप्त हो सके। प्रधानमंत्री मोदी के मॉडल स्मार्टसिटी की परिकल्पना पीपीपी मॉडल से साकार की जा सके। सरकार ने उक्त प्लान को न्यू भीलवाड़ा की संज्ञा दी है तथा न्यास के सचिव को निर्देशित किया है कि वर्तमान स्थितियां भविष्य के विजन पर 15 दिनों में कंसल्टेंट नियुक्त कर रिपोर्ट नगरीय विकास विभाग को भिजवाई जाए। ज्ञात रहे कि इस विषयपर राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर खण्डपीठ द्वारा रिट पीटिशन में दिनांक 27 अगस्त, 2025 को भी सरकार को उक्त प्लान की पुनः समीक्षा हेतु आदेशित किया था। उक्त प्लान के जारी होते ही भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी द्वारा समय-समय पर पत्राचार व व्यक्तिगत भेंटकर प्लान की कमियों के बारे में सरकार को अवगत कराया तथा यह बात भी उठाई की भीलवाड़ा एक औद्योगिक नगरी है व वर्तमान में शहर में भूमि की उपलब्धता कम होने सेआगामी 50 वर्षों के लिए न्यू भीलवाड़ा का विकास इसी प्लान के अंतर्गत किया जा सकता है।जिससे भीलवाड़ा सुव्यवस्थित व आधुनिक नगर के रूप में विकसित हो सके। सरकार द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश में न्यू भीलवाड़ा की परिकल्पना को जोड़कर विधायक कोठारी के द्वारा दिए गए सुझावों को अमली जामा पहनाया गया है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित, जिला कलेक्टर ने दिये चिकित्सकों को आवश्यक निर्देश

अच्छा कार्य करने वाले ब्लॉकों की प्रगति से सीखकर चिकित्सक बढायें प्रगतिः जिला कलेक्टर

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। आईएमए हॉल में सोमवार को जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलेक्टर ने जिले की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं, राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा कर, पेंडेंसी के निस्तारण और सेवा गुणवत्ता सुधार के निर्देश चिकित्सकों को दिये। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर जसमीत संधू ने आयुष्मान आरोग्य योजना, टीकाकरण कार्यक्रम, परिवार कल्याण, टीबी मुक्त भारत अभियान, टोबैकों फ्री यूथ कैम्पेन, मां वाउचर योजना, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोग नियंत्रण, पोषण एवं स्वच्छता गतिविधियों सहित सभी प्रमुख कार्यक्रमों की ब्लॉकवार समीक्षा की। जिला कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सभी योजनाओं को समयबद्ध एवं प्रभावी तरीके से धरातल पर उतारना अनिवार्य है, ताकि जन-जन को राज्य सरकार की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। जिला कलेक्टर ने एएनसी चेक-अप में कम प्रगति वाले ब्लॉकों को तुरंत सुधार करने, टीबी मुक्त भारत अभियान में वल्नरेबल पॉपुलेशन कवरेज बढ़ाने, सिलिकोसिस मरीजों की पहचान एवं लंबित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाने, तथा पूर्व अभियानों की पेंडेंसी को सीमित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि जो ब्लॉक उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, उनकी प्रगति से सीख लेकर सभी ब्लॉक अपने प्रदर्शन में वृद्धि करें। जिला कलेक्टर ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी वितरण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि लाभार्थी अंतिम छोर तक समय पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्राप्त करें, यह प्रत्येक चिकित्सा अधिकारी की जिम्मेदारी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामकेश गुर्जर ने जिले में संचालित सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति प्रस्तुत करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए चिकित्सक सीएचसी व पीएचसी स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग, फील्ड विजिट और जनजागरूकता गतिविधियों को मजबूती दें। उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान, पल्स पोलियो, सांस अभियान, निरामया राजस्थान एवं टीकाकरण पर विशेष जोर देने को कहा। सीएमएचओ डॉ. गुर्जर ने स्वास्थ्य कार्मिकों को गांव-ढाणियों में जाकर जनजागरूकता बढ़ाने, सेवाओं की पहुंच मजबूत करने और सभी रिपोर्ट समय पर पोर्टल पर अपलोड कर डेटा की शुद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्वास्थ्य प्रणाली को प्रदेश में मॉडल के रूप में स्थापित करने के लिए टीम भावना से कार्य करना आवश्यक है। बैठक में पीएमओ डॉ. अरुण गौड़, जिला आरसीएच अधिकारी (कार्यवाहक) डॉ. अभिनव निर्वाण, डीडीडब्ल्यूएच डॉ. अशोक खटवानी, डीटीओ डॉ. प्रदीप कटारिया, सभी बीसीएमओ, सीएचसी/पीएचसी प्रभारी एवं सीएमएचओ कार्यालय के विभिन्न अनुभाग अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंधी समाज शाहपुरा में फूटा आक्रोश, इष्ट देव के अपमान पर निकाली विराट रैली, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। छत्तीसगढ़ के जेसीपी नेता अमित बघेल द्वारा इष्ट देव भगवान झूलेलाल जी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में सोमवार को शाहपुरा का सिंधी समाज सड़कों पर उमड़ पड़ा। समाज का गुस्सा इतना प्रबल था कि झूलेलाल मंदिर से एसडीएम कार्यालय तक निकली रैली ने पूरा कस्बा 'जय झूलेलाल' के गगनभेदी नारों से गुंजा दिया। सोमवार सुबह 10 बजे झूलेलाल मंदिर से शुरू हुई यह आक्रोश रैली समाज की अभूतपूर्व एकजुटता का प्रतीक बनी। रैली में युवा, पुरुष, महिलाएँ और बच्चे हजारों की तादाद में शामिल हुए। 'अमित बघेल मुर्दाबाद ', 'गिरफ़्तार करो ', 'सिंधी समाज एकता ज़िंदाबाद' जैसे नारे पूरे मार्ग में गूंजते रहे।

युवा शक्ति का जोश चरम पर

रैली का नेतृत्व नवयुवक मंडल सिंधी समाज के अध्यक्ष नरेश तोलानी और पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष मोहनलाल लखपतानी ने किया। समाज के प्रमुख पदाधिकारियों– चेतन चंचलानी, ईश्वर सामतानी, लीलाराम वासवानी, ओम सिंधी, गंगाराम आसवानी, मोहन केवलानी, गोपीलाल सामतानी, जितेंद्र मतलानी, नरेश लखपतानी, चुन्नीलाल आसवानी, संजय कुमार, डॉ. देवेंद्र थानवानी, सनी सामतानी, अमन मतलानी, लकी सामतानी सहित युवा वर्ग बड़ी संख्या में मौजूद रहा। महिलाओं और बच्चों की भारी भागीदारी ने रैली को और भी प्रभावशाली बना दिया। समाज के हर वर्ग ने यह संदेश दिया कि भगवान झूलेलाल का अपमान किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं होगा।

एसडीएम कार्यालय पर दिया ज्ञापन-

रैली का समापन उपखंड अधिकारी कार्यालय पर हुआ, जहाँ कार्यपालक मजिस्ट्रेट को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में सिंधी समाज ने मांग की कि–अमित बघेल पर तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए उसे शीघ्र गिरफ्तार कर उदाहरण प्रस्तुत किया जाए। पदाधिकारियों ने कहा कि यह मामला केवल एक नेता के बयान का नहीं, बल्कि संपूर्ण सिंधी समाज के आत्मसम्मान और धार्मिक भावनाओं से जुड़ा है।

'अपमान सहन नहीं करेंगे' – समाज का चेतावनी भरा संदेश

सिंधी समाज ने एक सुर में चेताया कि जब तक अमित बघेल के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। रैली ने यह स्पष्ट कर दिया कि शाहपुरा का सिंधी समाज अपने इष्ट देव, धर्म और संस्कृति के अपमान पर शांत नहीं बैठ सकता। सिंधी समाज की एकता, अनुशासन और दृढ़ संकल्प ने सोमवार को शाहपुरा में एक मजबूत संदेश दिया– सम्मान की लड़ाई में समाज एकजुट है और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा।

चतुर्थ श्रेणी भर्ती में पद बढ़ाने की मांग, अभ्यर्थियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। राज्य में बेरोजगार युवाओं की आवाज लगातार बुलंद होती जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को भीलवाड़ा के सैकड़ों युवा अभ्यर्थियों ने जिला कलेक्टर को चतुर्थ श्रेणी भर्ती में पद वृद्धि को लेकर ज्ञापन सौंपा। अभ्यर्थियों का कहना है कि विभिन्न विभागों में हजारों पद खाली हैं, लेकिन मौजूदा भर्ती में इन्हें शामिल नहीं किया गया है। युवा चाहते हैं कि सभी रिक्त पदों को जोड़कर कुल पदों की संख्या बढ़ाकर 75,000 कर दी जाए। ऐसा होने पर 22 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी और भर्ती प्रक्रिया अधिक पारदर्शी व प्रभावी बन सकेगी। युवा जनसेवक दुर्गेश कुमार शर्मा ने ज्ञापन सौंपने के दौरान कहा कि सरकार को बेरोजगार युवाओं की वास्तविक परेशानियों को समझकर जल्द से जल्द सकारात्मक फैसला लेना चाहिए। इस दौरान गगन पुरोहित, मुरलीधर शर्मा, रोहित तिवारी और धनराज जी भी मौजूद रहे।

करेड़ा मे पूर्व मुख्यमंत्री राजे का किया स्वागत स्वागत

स्मार्ट हलचल| करेड़ा

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधराराजे सिंधिया का कस्बे के गंगापुरा चोराया के समीप उपप्रधान सूखा लाल गुर्जर के नेतृत्व मे भाजपा कार्यक्रताओ ने स्वागत किया।

जानकारी के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधराराजे सिंधिया सोमवार को एक दिवसीय क्षेत्र के दौरे पर थी इस दौरान करेड़ा के गंगापुरा चोराया के समीप एक निजी रिसोर्ट पर करेड़ा उप प्रधान सुखा लाल गुर्जर के नेतृत्व मे भाजपा कार्यकर्ताओ ने स्वागत किया। इस दौरान राजे ने सभी कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त करते हुई धन्यवाद व्यक्त किया राजे के साथ सहाड़ा रायपुर विधायक लादू लाल पितलिया ,पूर्व मंत्री कालू लाल गुर्जर, पूर्व विधायक राम लाल गुर्जर साथ थे ।

स्वागत समारोह के दौरान करेड़ा प्रधान राजेंद्र सरगरा, जिला परिषद सदस्य पारस मल जीनगर, प्रशासक मांगी देवी गुर्जर, गोपाल कृष्ण महात्मा, सीता देवी वैष्णव, सम्पत कुमावत, आशकरण गुर्जर, पूर्व मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण लढा सहित कई भाजपा कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

सीनियर ऑपन जूडो राजस्थान टीम खिलाड़ियों का हुआ चयन

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

राष्ट्रीय सीनियर जूडो चैंपियनशिप में भाग लेने हेतु राजस्थान सीनियर पुरुष और महिला जूडो टिम का चयन सुखाड़िया स्टेडियम भीलवाड़ा में सिलेक्शन ट्रायल प्रतियोगिता द्वारा जिला जूडो संघ भीलवाड़ा के तत्वाधान में 22 व 23 नवम्बर को आयोजित करवाई गई ।

जिला सचिव चेतन चोबे ने बताया कि इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ महापोर-नगर निगम भीलवाड़ा व विशिष्ट अतिथि महिपाल ग्रेवाल महासचिव राजस्थान जूडो संघ, डा.शेर सिंह अन्तराष्ट्रीय जूडो कोच गिरीराज चोबे उस्ताद श्रीराम व्यायाम शाला, लालपंत राय आचार्य, केसर सिंह बल्ला आदि सदस्यों के द्वारा पुरुष वर्ग की ट्रायल शुरू करवाई गई। तथा दूसरे दिन सुभाष बहेड़ीया पूर्व सांसद भीलवाड़ा, रामेश्वर बाल्दी मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजसमंद,

लाभशंकर चोबे वार्डन.1 पार्षद नगर निगम भीलवाड़ा, गिरीराज चोबे, अध्यक्ष जिला जूडो संघ के सानिध्य महिला वर्ग की ट्रायल प्रतियोगिता शुरू करवाई गई।

राष्ट्रीय सीनियर टिम का सलेक्शन राजस्थान जूडो एसोसीएशन महासचिव महिपाल गैवाल के सानिध्य में किया गया तथा राजस्थान दल के चयनित पुरुष खिलाड़ी विनय आचार्य भीलवाड़ा, अभिषेक चौधरी जयपुर, आतेश चतुर्वेदी जयपुर, आकाश श्रीगंगानगर, अराध्य चोपड़ा जयपुर, विष्णु शर्मा जयपुर, यश यादव जयपुर रहें तथा महिला वर्ग में हिमांशी विश्नोई भीलवाड़ा, नेहा जाट भीलवाड़ा, दिव्या पंवार उदयपुर, ईशिता राठोड़ कोटा, जोया खान उदयपुर,श्रुति उनियाल कोटा, शांती सीकर चयनित हुई । महिपाल ग्रेवाल ने बताया कि यह चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय सीनियर चैम्पियनशिप दिनांक 11 से 15 दिसम्बर को मणिपुर (इंफाल) में भाग लेगे ।

इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए, भगवती लाल शर्मा, जगदीश राजोरा, देवी लाल खारोल, मनोज चतुर्वेदी, पुष्कर तेली, शिव लाल खारोल, गोविन्द त्रिपाठी, बाबू लाल गाडरी नारायण गाडरी, प्रकाश राजोरा, सत्यनारायण गुर्जर, विशाल आचार्य, मनोज राजोरा, यशपाल खोईवाल, राजू आचार्य, शिवचरण विश्नोई मुकेश जाट, परसराम जाट आदी उपस्थित रहें।

गुरु तेग बहादुर का 350वां शहीदी दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया, की पुष्पांजलि अर्पित

गुरु तेग बहादुर जी त्याग और मानवता के मार्गदर्शक हैं, सभी ले प्रेरणाः मदन गोपाल कालरा

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। शहर के सिंधु नगर में स्थित गोविन्द धाम में गुरू तेग बहादुर एवं एवं उनके शिष्यों का 350वां शहीदी दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु तेग बहादुर जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन और बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कियया गया। गोविन्द धाम के महंत गणेश दास महाराज ने अरदास करके गुरू साहिब और उनके शिष्यों के त्याग को सनातन धर्म की रक्षा का आधार बताया। पंजाबी खत्री अरोड़ा समाज के अध्यक्ष मदन गोपाल कालरा ने बताया की गुरु तेग बहादुर जी त्याग और मानवता के मार्गदर्शक हैं, जिनके आदर्शों से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। सिख धर्म के नौवें गुरु तेग बहादुर जी ने धार्मिक स्वतंत्रता और मानव अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया था। इस अवसर पर जेके साही, चिमन लाल खेत्रपाल, प्रदीप मेहता, गोपाल कपूर, दिवाकर जावा सहित सभी सनातनी बंधुओ माताओं, बहनो ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

चोरों के हौसले बुलंद खेत से ट्यूबवेल की मोटर व पाइप केबल काट कर हुए फरार

स्मार्ट हलचल

मोड़ का निंबाहेड़ा। आसींद थाना क्षेत्र के करजालिया ग्राम पंचायत के कोरनास गांव में शनिवार बीती रात्रि को निजी खातेदारी खेत पर बोरवेल में लगाई गई मोटर सेट को अज्ञात चोर चुरा कर ले गए। पीड़ित किसान घिसु लाल पुत्र रेमता भील ने आसींद थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि जब रविवार सुबह अपने खेत पर गया और मोटर चलाने लगा लेकिन मोटर नहीं चली सिस्टम को देखा तो मोटर के कुछ पाइप अंदर पड़े हुए पाए गए वायर आदि कटे हुए बाहर दिखाई दिए इस दौरान मोटर पंप कंट्रोलर मय सेट केबिन आदि गायब दिखाई दिए , मैंने जांच पड़ताल की तो मेरे खेत की बाड़ टूटी हुई थी और मोटर की रगड़ के निशान थे अज्ञात बदमाश मोटर चोरी कर ले गए । क्षेत्र में चोरों के हौंसले बुलंद है और आमजन में भय का माहौल है ।

खामोर गाँव में 10 केवी का ट्रांसफॉर्मर चोरी, अंधेरे में डूबे 3 मोहल्ले

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। खामोर गाँव में बीती रात अज्ञात चोर ग्राम पंचायत भवन के पीछे खंभे पर लगे 10 केवी के ट्रांसफॉर्मर को अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। यह ट्रांसफॉर्मर लगभग तीन माह पहले ही लगाया गया था।इस चोरी की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। ट्रांसफॉर्मर चोरी होने से तीनों मोहल्लों में रात भर बिजली गुल रही और ग्रामीणों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी।सुबह ग्रामीणों ने बिजली बंद होने का कारण जानने के लिए मौके पर जाकर देखा तो ट्रांसफॉर्मर गायब मिला। तुरंत बिजली विभाग को सूचना दी गई।-स्थानीय कर्मचारी मौके पर पहुंचे और उच्च अधिकारियों को वारदात की जानकारी दी वही लाइनमैन बलवंत ने बताया कि वारदात की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है तथा रिपोर्ट दर्ज करवाई गई।

पाइपलाइन डालने से वार्ड में खुशी

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

चंद्रशेखर आजाद नगर वार्ड नंबर 23 में सेक्टर नंबर 3 में कई जगहों पर पीने का पानी नहीं पहुंचता था एवं चंद्रशेखर आजाद नगर में सेक्टर 5 एवं चिन्हित जगह पर पीने का पानी नहीं आ रहा था अभी पाइपलाइन डालने का काम शुरू किया गया है इससे मोहल्ले वासियो ने खुशी जताई है । पार्षद पंडित अशोक शर्मा ने बताया कि विगत 1 साल से पानी की समस्या का समाधान हेतु प्रयास किया जा रहा था इसी कड़ी मे तत्कालीन जलदाय विभाग अभियंता निरंजन सिंह हाडा से मिलकर ज्ञापन सौंप कर समस्या का समाधान करने का विशेष आग्रह किया गया अभियंता हाडा ने हमें पुर जोर आश्वासन दिया कि नई पाईप लाइन डलवाने एस्टीमेट बनाकर आपके वार्ड में समस्या का समाधान किया जाएगा डीएमएफटी फंड से कार्य का टेंडर मार्च महीने में हो चुका है था वर्क आर्डर अप्रैल में हो चुका था परंतु बारिश के कारण काम शुरू करने में समस्या आ रही थी इस लिए अब काम शुरू हो पाया पंडित शर्मा ने भाजपा के सभी शीर्ष नेताओं का एवं जलदाय विभाग के अधिकारियों का आभार ज्ञापित किया।

ग्राम पालसा को पुनः ग्राम पंचायत लूलास में रखने की मांग, ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्व ग्राम पालसा के ग्रामीणों ने नव निर्मित पंचायत चलाणिया में किए गए सम्मिलन का विरोध जताते हुए ग्राम को पूर्ववत ग्राम पंचायत लूलास में रखने की मांग को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला कलक्टर को एक ज्ञापन सौंपा । ग्रामीणों ने कहा कि बिना आपत्ति एवं पक्ष सुने उनका ग्राम नई पंचायत में जोड़ दिया गया, जो कि पूर्णतः अनुचित है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि राजस्व ग्राम पालसा शुरू से ही ग्राम पंचायत लूलास के अंतर्गत रहा है और यह पंचायत उनके गांव से मात्र 2 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। जबकि नव निर्मित पंचायत चलाणिया की दूरी लगभग 12 किलोमीटर है, जहां तक पहुंचने के लिए भी ढीकोला होकर जाना पड़ता है, जिससे आवागमन में भारी कठिनाइयां आएंगी। सरल एवं सीधा मार्ग भी उपलब्ध नहीं है। ग्रामीणों ने यह भी अवगत कराया कि चलाणिया जाने हेतु बस या अन्य वाहन सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके अतिरिक्त वहां न अस्पताल की सुविधा है और न ही माध्यमिक विद्यालय की। इसके विपरीत ग्राम पंचायत ढीकोला में स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों की ही बेहतर व्यवस्था उपलब्ध है, जो ग्रामीणों के दैनिक जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। भौगोलिक और व्यवहारिक दृष्टि से भी ग्राम पंचायत ढीकोला ग्रामीणों के लिए अधिक उपयुक्त बताई गई।ज्ञापन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम पालसा को चलाणिया पंचायत में जोड़ने का निर्णय जनभावनाओं के विपरीत है, जिससे क्षेत्र में विरोध की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ग्रामीणों ने मांग की कि उनके राजस्व ग्राम को पूर्ववत ग्राम पंचायत लूलास में ही यथावत रखा जाए।

काछोला थाने में सीएलजी बैठक

स्मार्ट हलचल| काछोला

काछोला थाने में सोमवार को कानून-व्यवस्था को लेकर सीएलजी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता कोटड़ी पुलिस उपाधीक्षक सुरेश कुमार डाबरिया ने की।

बैठक में थाना प्रभारी सहित सीएलजी सदस्य, ग्रामीण व सामाजिक प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कानून-व्यवस्था को मजबूत करने, क्षेत्र में शांति-सुरक्षा बनाए रखने तथा पुलिस-जन सहयोग को बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई थाना प्रभारी बालकिशन शर्मा ने बताया कि डीएसपी डाबरिया ने ग्रामीणों से क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देने की अपील की साथ ही क्षेत्र में सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि पुलिस-जन सहभागिता से ही अपराधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है बैठक के दौरान सीएलजी सदस्यों ने भी अपने सुझाव साझा किए और पुलिस प्रशासन को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया इस दौरान डीवाईएसपी सुरेश कुमार डाबरिया थाना प्रभारी बालकिशन शर्मा सहायक उप निरीक्षक श्रवण सिंह मीणा डॉक्टर एन के सोनी संदीप सोनी समप्त सिंह सोलंकी वासुदेव पालीवाल भगवान मंत्री सत्यनारायण वैष्णव उमराव सिंह आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

समाजसेवी शंकर डांगी बने मेघवाल युवा संघ के जिलाध्यक्ष

सबके सहयोग से ही विकास संभव है, समाज की सेवा के लिए हमेशा रहेगे तत्पर: डांगी

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। समाज सेवी शंकरलाल डांगी मेघवाल युवा संघ के भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। भारतीय मेघवाल युवा संघ के प्रदेशाध्यक्ष मनीष मेघवाल ने शंकरलाल डांगी की नियुक्ति की। उन्हें 15 दिवस में जिला कार्यकारिणी गठन करने के निर्देश दिए गए हैं। नियुक्ति के बाद डांगी ने कहा-मेघवाल समाज के सर्वांगीण विकास के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे, यही उनकी प्राथमिकता है। इसमें समाज के सभी बुजुर्गों का आशीर्वाद व मार्गदर्शन तथा सभी लोगों का सहयोग लिया जाएगा। सबके सहयोग से ही विकास संभव है। वे सदैव समाज की सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। गौरतलब है कि डांगी मेघवाल समाज के युवाओं में सदैव अग्रणी रहते हैं। मांडल व गुड़ा क्षेत्र में उनकी सदैव सक्रियता रहती है। प्रॉपर्टी व्यवसायी डांगी की जिलाध्यक्ष पद पर ताजपोशी से स्पूर्ण भीलवाड़ा के मेघवाल समाज में खुशी की लहर छाई है।

धानेश्वर में माहेश्वरी समाज की बैठक संपन्न, 27 नवंबर को शिव मंदिर व भवन निर्माण का होगा शिलान्यास

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शाहपुरा पंचायत समिति क्षेत्र के धानेश्वर फुलियाकला स्थित श्री माहेश सेवा संस्थान आम चोखला धानेश्वर में रविवार को समाज की महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष एस.एन. न्याती की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए आगामी 27 नवंबर को होने वाले शिव मंदिर एवं भवन निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में आर्किटेक्ट भीलवाड़ा विपुल मूंदड़ा ने प्रस्तावित भवन का नक्शा प्रस्तुत करते हुए संपूर्ण रूपरेखा विस्तार से समझाई। उन्होंने परिसर में होने वाले निर्माण कार्य, संरचना की मजबूती, उपयोगी स्थानों की व्यवस्था सहित सभी बिंदुओं को स्पष्ट किया। समाज बंधुओं ने नक्शे का अवलोकन करते हुए सर्वसम्मति से उसे स्वीकृति प्रदान की।

अध्यक्ष एस.एन. न्याती ने बताया कि 27 नवंबर, गुरुवार को प्रातः 11 बजे शिव मंदिर एवं भवन निर्माण का शुभारंभ शिलान्यास के साथ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के सामूहिक सहयोग एवं एकजुटता से यह दिव्य कार्य शीघ्र पूर्ण हो सकेगा। इसी क्रम में उपस्थित समाजजनों ने स्थल का निरीक्षण किया तथा आर्किटेक्ट के निर्देशानुसार चिन्हीकरण करते हुए जेसीबी मशीन से शिव मंदिर की नींव खुदाई का कार्य प्रारम्भ करवाया गया।

बैठक में संरक्षक ताराचंद हेडा, गिरधारीलाल नौलखा, रामकिशन मूंदड़ा (कादेड़ा), रूपचंद पोरवाल, उपाध्यक्ष कैलाशचंद्र सोमानी, सत्यनारायण काबरा (भीमडावास), सचिव कमलेश लड्ढा, कोषाध्यक्ष बालकिशन नौलखा, सह सचिव प्रकाश तोषनीवाल, भागचंद आगीवाल, सह कोषाध्यक्ष सत्यनारायण आगीवाल, गुलाबचंद सोमानी (रामपुरा), संगठन मंत्री सुरेश चंद्र पोरवाल सहित समाज के कई कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

संरक्षक ताराचंद हेडा ने 21 गांवों के आम चोखला माहेश्वरी समाज के सभी सदस्यों को शिलान्यास कार्यक्रम में आमंत्रित करते हुए कहा कि यदि समाज के सभी भामाशाह एक साथ अपने कर-कमलों से शिलान्यास करेंगे तो भवन निर्माण कार्य में गति आएगी और समाज की भावनाओं के अनुरूप यह परियोजना जल्द पूर्ण होगी। कार्यक्रम के अंत में सचिव कमलेश लड्ढा ने उपस्थित सभी समाजबंधुओं का आभार प्रकट किया और कहा कि समाज की एकता ही बड़े कार्यों को संभव बनाती है।

राजकीय अस्पताल में निशुल्क जांच योजना का मरीजों को नहीं मिल पा रहा है लाभ, जांच के लिए खर्च करना पड़ रहा है हजारों

निःशुल्क जांच योजना ठप, लाखों की मशीनें बेकार पड़ीं, बायोकेमिस्ट्री की 25 में से 22 जांचें बंद

स्मार्ट हलचल| बूंदी

सरकार की निःशुल्क जांच योजना का लाभ जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को नहीं मिल पा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा रोगियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अस्पतालों में निःशुल्क जांच योजनाएं लागू की गई है। जिला अस्पताल में आने वाले मरीज मुफ्त जांच की उम्मीद लेकर लाइन में लगते हैं। जब जांच करने के लिए वह काउंटर पर अपनी पर्ची देते हैं तो उन्हें जवाब मिलता है कि इनमें से एक या दो जांच ही यहां पर हो पाएगी बाकी की जांच कराने के लिए आपको निजी लैब में जाना पड़ेगा। सरकार के आदेशानुसार जांच अस्पताल में ही होनी चाहिए। यह स्थिति एक-दो दिन की नहीं, बल्कि पिछले कई महीनों से बनी हुई है। फिर भी जिला, अस्पताल प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

दैनिक राजमार्ग संवाददाता आज जिला अस्पताल पहुंचा तो वहां जांचे बंद थी जांच की मशीनों पर पर्दे चढ़े हुए थे। मरीज जांचों के लिए इधर से उधर भटकते नजर आए। कुछ मरीज मजबूरी में बाहर से जांच करवाकर आए। सिलोर निवासी अनिल ने बताया कि भाई को दो-तीन दिन से बुखार आ रहा है और पेशाब में भी जलन है उसे दिखाने के लिए जिला अस्पताल लेकर आया था तो चिकित्सकों ने जांच कराने के लिए बोला । निःशुल्क जांच करने के लिए रसीद काउंटर पर 15 मिनट खड़े होने के बाद मेरा नंबर आया जब रसीद कटवा कर निशुल्क जांच करने के लिए काउंटर पर पहुंचा और वहां अपनी बारी का इंतजार करता रहा जब बारी आई तो वहां मौजूद कर्मचारियों ने कहा कि इसमें से बस आपकी सीबीसी जांच ही होगी डेंगू में भी एलिसा टेस्ट होगा जिसकी रिपोर्ट दो दिन बाद आएगी। आपको अन्य जांच करानी है तो बाहर से करवानी होगी। निजी लैब में जाकर जांच कराई तो 18 सो रुपए का खर्चा आया। यही हालत अस्पताल में भर्ती मरीजों के भी हैं उन्हें भी प्रतिदिन जांच कराने के लिए निजी लैब का सहारा लेना पड़ रहा है। अस्पताल में भर्ती मरीजों का कहना है कि जब जिला, चिकित्सा प्रशासन मरीजों को निःशुल्क जांच योजना का लाभ पड़उपलब्ध नहीं करवा सकता तो बड़े बड़े होर्डिंग भी क्यों लगाए गए हैं।

राजकीय अस्पताल से निशुल्क जांच के होर्डिंग्स को हटवा देना चाहिए। कई वरिष्ठ जन भी निशुल्क जांच योजना का लाभ नहीं ले पाने के कारण अस्पताल में इधर-

उधर भटकते देखे जा सकते है । बुजुर्गों का कहना है कि सरकार द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए बड़े-बड़े वादे किए गए हैं पर जिला अस्पताल के हालात यह है कि यहां पर कोई भी व्यवस्था पटरी पर नहीं चल रही। पहले तो चिकित्सक को दिखाने के लिए ही लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है दिखाने के बाद जांच करने का नंबर आया तो जांच के लिए निजी लैब में भेज रहे हैं।

जिला अस्पताल की बायोकेमेस्ट्री लैब में रोजाना करीब 180 से 200 मरीजों को जांचें लिखी जाती हैं। इनमें से ज्यादातर जांचें बंद हैं। लाखों रुपए की दो मशीनें रीजेंट की कमी के चलते कपड़े से ढककर रखी हैं। बायोके मेस्ट्री जांच का औसतन खर्च 1000 से 1500 तक आता है। जब सरकार की योजना ठप हो तो यह भार सीधा गरीब मरीज की जेब पर पड़ता है। रीजेंट खत्म, सालभर से नहीं हुई मलेरिया, सोडियम, पोटेशियम की जांच, प्राइवेट लैब पर जा रहे।

हमारे संवाददाता की पड़ताल में सामने आया कि अस्पताल में मलेरिया, सोडियम, पोटेशियम की जांच पूरे एक साल से बंद है। डॉक्टर रोजाना बड़ी संख्या में मरीजों को जांच लिखते हैं। लेकिन रीजेंट न होने के कारण जांच संभव नहीं हो पाती। लाखों रुपए की मशीनें मौजूद हैं, पर उनका उपयोग नहीं हो रहा।

पूछ ताछ करने पर जानकारों ने बताया कि पिछले 2 साल से निशुल्क जांच योजना पटरी से उतर चुकी है। वहां पर मौजूद कर्मचारी भी परेशान है मरीज परेशान होकर लौटते हैं। कई बार तो मरीज कर्मचारियों पर नाराज भी हो जाते हैं और उन्हें भला बुरा कहते हैं पर वहां मौजूद कर्मचारी क्या करें जब चिकित्सा प्रशासन द्वारा उन्हें जांच के लिए आवश्यक रीजेंट उपलब्ध नहीं करवाए जा रहे। लाखों की मशीनें धूल खा रही हैं, कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

लैब इंचार्ज हरिलाल भारती से जब बायोकेमेस्ट्री मशीन द्वारा जांच नहीं होने का कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सब तरह की जांच हो रही है। चिकित्सक जो जांच लिख रहा है वह जांच की जा रही है पर वास्तविक हकीकत में सामने आया कि बायोकेमेस्ट्री में तीन जाचों के अलावा अन्य कोई जांच नहीं हो रही थी। जब उनसे यह पूछा तो उन्होंने कहा कि चिकित्सक ने अन्य जांच लिखी ही नहीं होगी इसलिए नहीं कर रहे। मेडिकल वार्ड में भर्ती मरीज 65 वर्षीय नंद किशोर का बेटा जब एक नंबर काउंटर पर जांच करवाने आया तो चिकित्सक द्वारा उसमें 12 तरह की जांच लिखी गई थी उसमें से सिर्फ चार या पांच जांचे ही हो पाई। इससे यह मुख्यमंत्री निःशुल्क योजना फैल हो रही है अब यह सब जाहिर हो रहा है कि लैब इंचार्ज द्वारा रोगियो को गुमराह किया जा रहा थी। जनप्रतिनिधि आए आगे तो बने बात

लैब इंचार्ज भी कर रहे हैं मरीजों को गुमराह

जानकारों की माने तो सामान्य चिकित्सा में चिकित्सा व्यवस्थाएं पटरी से उतरी हुई है। निःशुल्क जांच योजना के अलावा भी कई तरह की आवश्यक सामग्री रोगियों को उपलब्ध नहीं हो पा रही है। ऐसे में जनप्रतिनिधियों को आगे आकर इस समस्या को प्रमुखता से उठाना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी सामान्य चिकित्सालय में हो रही है अव्यवस्थाओं पर ध्यान दें तो हो सकता है कि यहां आने वाले मरीजों को कुछ हद तक लाभ मिल पाए। रही रीजेंट की कमी से समस्या है। इसके लिए पीएमओ ने बताया कि उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा है। जल्द समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ. एलएन मीणा, पीएमओ राजकीय सामान्य जिला चिकित्सालय बूंदी

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया पहुंची गंगापुर

सिंधिया राजघराने के गंगा बाईसा मंदिर पर की पूजा अर्चना

स्मार्ट हलचल| गंगापुर

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया पहुंची गंगापुर, सिंधिया राजघराने के गंगा बाईसा मंदिर पर पहुंच कर की पूजा अर्चना। राजसमंद से गंगापुर पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया जिनका टपरिया खेड़ी, सहाड़ा, गंगापुर डाक बंगला पर कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। गंगा बाईसा मंदिर पर पहुंच कर पुजारी राधेश्याम शर्मा से वर्तालाप किया, मंदिर, ट्रस्ट व निर्माण कार्यों के बारे जानकारी ली, उसके बाद डाक बंगले पर पहुंची जहां कार्यकर्ताओं में स्वागत किया। इस दौरान सहाड़ा विधायक, पूर्व मंत्री कालू लाल गुर्जर, जिला प्रमुख बरजी देवी भील, सहाड़ा प्रधान मांगी कुमारी भील, भाजपा प्रत्याशी रूपलाल जाट,जिला परिषद सदस्य बलवीर सिंह, नंदलाल गुर्जर, नगर अध्यक्ष अमित तिवारी, पूर्व नगर अध्यक्ष संजय रूईया, नाथू लाल गाडरी सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बालिका विद्यालय फूलियाकलां की छात्राओं ने फिर रचा इतिहास

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा आयोजित महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा 2024 का परिणाम 21 नवंबर को घोषित किया गया। परिणामों में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, फूलियाकलां की छात्राओं ने एक बार फिर अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाते हुए जिले में शीर्ष स्थानों पर कब्जा जमाया।विद्यालय के प्राचार्य शंकर लाल जाट ने बताया कि छात्रा साहिबा बिसायती ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, वहीं छात्रा नवरत्ना कुम्हार ने द्वितीय स्थान हासिल कर विद्यालय सहित क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी इसी विद्यालय की एक छात्रा ने वर्ष 2021 और 2022 में लगातार दो वर्षों तक जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता का डंका बजाया था।गाँव एवं विद्यालय परिवार में इन उपलब्धियों से हर्ष की लहर है।

बीएलओ और बीएलए की बैठक

स्मार्ट हलचल| करेडा

वोटर लिस्ट अपडेट करने के लिए चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एस आई आर) को लेकर उप खंड अधिकारी रेखा गुर्जर ने उप खड क्षेत्र के लादुवास ग्राम पंचायत में बीएलओ व भाजपा, काग्रेस के बीएल ए की बैठक आयोजित कर कार्य को प्रगति से करने के दिशानिर्देश दिए। इस दौरान गुर्जर ने मालास गावं मे बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया ।

नवनियुक्त कोटा देहात जिलाध्यक्ष भानू प्रताप, शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राखी गौतम ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया

स्मार्ट हलचल

कोटा ।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने राजस्थान के कोटा शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर राखी गौतम तथा देहात अध्यक्ष के पद पर भानूप्रताप सिंह को बनाये जाने पर सोमवार को शहर कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष राखी गौतम और देहात अध्यक्ष भानूप्रताप सिंह ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यलय में पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता टीकाराम का 51 किलो का हार पहनाकर व पुष्प गुच्छ भेंट कर आभार जताया।

इस दौरान कांग्रेस नेता विद्याशंकर गोतम, सांगोद ब्लॉक अध्यक्ष मिर्जा शकील अहमद, कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष कपिल नागर, सीमल्या कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष अनिरुद्ध मीणा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष विशाल मेवाड़ा, पार्षद अनुराग गौतम, प्रफुल्ल पाठक, जोगेंद्र बीरबल, प्रेम लाहोटिया, मुकुल, मनीष भारद्वाज, वसीम भाटी, अफसार प्रधान, चमन बक्स, दयाकिशन धाकड़, पुर्व सरपंच कालुलाल मेहरा, मोईनुद्दीन, नसरू पठान, सीपी नागर, सिद्धार्थ सुवालकां, अखिलेश धाकड़ सहित सेकडो कांग्रेस कार्यकर्ताओ के साथ आभार व्यक्त किया।

रामपुरिया की सरकारी स्कूल में जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित की जर्सियां

स्मार्ट हलचल

रायला। रायला के निकटवर्ति ग्राम रामपुरिया की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को भीलवाड़ा जी9 चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ़ से जरूरतमंद छात्रों को जर्सी वितरण की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ वार्ड पंच राधेश्याम कुमावत ने माँ सरस्वती को दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की वही ट्रस्ट के महेंद्र कुमार अशोक कुमार अमित पोखरना द्वारा छात्रो को जर्सी वितरित की ट्रस्ट ने बच्चो के प्रति अपनी सवेदनशीलता का परिचय दिया वही विद्यालय के अध्यापकों ने भी भामाशाह का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का संचालन जगदीश चंद मेघवंशी द्वारा किया गया। प्रधान खारोल ने बताया की यदि संस्थाए व सामाजिक संगठन एकजुट होकर कार्य करे तो जरूरतमन्दो की सहायता का दायरा ओर भी विस्तृत हो सकता हे ग्राम वासियों ने बताया की दुसरों की मदद करने से ही मन को सच्ची शांति मिलती हे इस मोके पर विद्यालय के सभी स्टाफ व ग्रामवासी मौजूद रहे।

170वां बहादुर नागरिक अवार्ड समारोह कल

स्मार्ट हलचल

भुसावर। मुंबई आतंकी हमले में 26 नवंबर 2008 को शहीद हुए सुशील कुमार शर्मा की स्मृति में उनके परिजनों द्वारा गठित अखिल भारतीय शाहिद सुशील कुमार शर्मा फाउंडेशन के तत्वाधान में फाउंडेशन मुख्यालय ग्वालियर मध्य प्रदेश में 17वां बहादुर नागरिक अवार्ड 2025 एवं वैश्विक वी साधारण प्रतिभा अवार्ड 2025 संविधान दिवस एवं संविधान एवं बालअधिकार विषय पर सेमिनार का आयोजन किया जाएगा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति आनंद पाठक प्रशासनिक न्यायाधीश मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर अध्यक्षता माननीय न्यायमूर्ति राकेश सक्सेना पूर्व न्यायाधिपति मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय एवं पूर्व अध्यक्ष मध्य प्रदेश राज्य उपभोक्ता आयोग होंगे विशिष्ट अतिथि के रूप में अवधेश श्रीवास्तव पूर्व प्रिंसिपल रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय एवं राज्य उपभोक्ता आयोग के साथ डॉक्टर केशव पांडे समाजसेवी एवं परामर्शक शाहिद फाउंडेशन होंगे। कार्यक्रम में वाद विवाद निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता अवार्ड 2025 के साथ सामाजिक न्याय में रक्त राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तियों को सम्मान अवार्ड प्रदान किए जाएंगे। 26 नवंबर 2025 बुधवार को आर आई ट्रेनिंग केम्पस ऑडिटोरियम सोफिया कॉलेज सिटी सेंटर ग्वालियर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में राजस्थान से विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान रखने वाले 11 प्रबुद्ध नागरिकों सहित वाद विवाद आशु भाषण निबंध चित्रकला सहित अन्य प्रतियोगिताओं में प्रथम तीन पायदान पर आने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

इसके साथ ही राजस्थान सरकार के विभिन्न कार्यकलापों में क्षेत्र में अच्छी उपलब्धि प्राप्त करने वाले कार्मिकों सहित कृषि महाविद्यालय भुसावर के डीन डॉक्टर उदयभान सिंह, श्री हरिदत्त डिग्री कॉलेज टेक्नोलॉजी पार्क सेवर के निदेशक डॉ आलोक शर्मा, श्री गांधी ज्योति महिला महाविद्यालय भुसावर के निर्देशक राजेंद्र पाण्डेय्, सहित बरसाने वाले रमेश बाबा के अनुयाई एवं यमुना स्वच्छता अभियान के सक्रिय सदस्य यतेन्द्र गुलपाडिया कामवन (कामां), वैद्य चन्द्र देव पाण्डेय्, सम्मानित होगे।

चित्तौड़गढ़ जिला कांग्रेस अध्यक्ष बने प्रमोद सिंह सिसोदिया

सशक्त नेतृत्व को मिला नया आधार,

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ जिला कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष के रूप में प्रमोद सिंह सिसोदिया को नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति पार्टी के सशक्त नेतृत्व को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। सिसोदिया ने कहा कि वे जिले की जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देंगे।

नियुक्ति के बाद सिसोदिया का शहर में भव्य स्वागत किया गया। पुष्पवर्षा, आतिशबाजी और नारों से शहर गूंज उठा। स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी तथा पार्टी की एकजुटता का संदेश दिया। स्वागत समारोह में सैकड़ों लोग शामिल हुए, जहां सिसोदिया ने कहा कि कांग्रेस जिले में मजबूत

होगी। जिला कांग्रेस नेतृत्व ने बताया कि यह फैसला पार्टी हाईकमान ने लिया है, जो जमीनी स्तर पर मजबूती लाएगा। सिसोदिया के नेतृत्व में आगामी चुनावों की तैयारी तेज होगी। कार्यकर्ताओं ने स्वागत में रोड शो भी निकाला। पार्टी के इस कदम से जिला स्तर पर सकारात्मक माहौल बना है। सिसोदिया ने कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का आह्वान किया।

बानसूर पंचायत समिति कों 3 माह से विकास अधिकारी का इंतजार

स्मार्ट हलचल | बानसूर

पंचायत समिति में प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण विकास अधिकारी का पद लंबे समय से खाली चल रहा है। गौरतलब हैं कि बानसूर पंचायत समिति के विकास अधिकारी महेंद्र सैनी को 26 अगस्त 2025 को एपीओ कर दिया गया था। तब से लेकर अब तक इस पद पर किसी स्थायी अधिकारी की नियुक्ति नहीं हो पाई है, जिससे अनेक प्रशासनिक और विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार विकास अधिकारी का दायित्व पंचायत समिति के प्रमुख विकास कार्यो, योजनाओं के क्रियान्वयन और निरीक्षण से जुड़ा होता है। ऐसे में इतने लंबे समय तक पद रिक्त रहने से कई फाइलें लंबित हैं तथा विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर भी असर पड़ रहा है। फिलहाल स्थिति को देखते हुए अधिशासी अभियंता प्रदीप विरमानी को पंचायत समिति के विकास अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। विरमानी वर्तमान में अपनी मूल जिम्मेदारियों के साथ इस पद के महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्य संभाल रहे हैं। हालांकि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द स्थायी विकास अधिकारी की नियुक्ति की जाए, ताकि पंचायत समिति के कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ सकें।

जामुनिया गांव को भड़का पंचायत में जोड़ने पर ग्रामीणों ने जताया विरोध

स्मार्ट हलचल । चौमहला

गांव जामुनिया तहसील डग को देवगढ़ पंचायत से हटा कर जबरन नवीन पंचायत भड़का में जोड़ने के विरोध में ग्रामीणों ने मुख्य मंत्री के नाम सोमवार को उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया।

ग्रामीणों ने अपने ज्ञापन में लिखा कि गांव जामुनिया को बिना किसी नोटिस व सुचना दिए जबरन पंचायत भड़का में जोड़ा गया जो गलत है उन्होंने लिखा की किसी भी नागरिक व सरपंच व वार्ड पंच कि बिना अनुमती के गाम जामुनिया को ग्राम पंचायत भड़का में जोड़ा गया है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में मांग की कि जामुनिया को उसकी मुल पंचायत देवगढ में ही रखा जावे जो उचित है

ग्रामीणों ने लिखा भड़का ग्राम पंचायत बनाने के लिए जो प्रार्थना पत्र दिया गया जिसमें अधिकतर हस्ताक्षर फर्जी व गलत है। जिन्होने फर्जी हस्ताक्षर कि है उनके खिलाफ कठोर कानुनी कार्यवाही कि जावे ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि 3 दिन के अन्दर कोई कार्यवाही नही हुई थी उग्र आन्दोलन किया जावेगा जिसकी समस्त जिमेदारी प्रशासन कि होगी।

शहर एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का एसआईआर को लेकर प्रशिक्षण शिविर आयोजित

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

चित्तौड़गढ़। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2025 को लेकर सोमवार को कांग्रेस की एक ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ शिविर चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र की श्रीनाथ वाटिका में आयोजित हुआ, जिसमें कोंग्रेस नेता पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत के मुख्य आतिथ्य एवं विधानसभा प्रभारी संदीप पुरोहित की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ।

ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने कहा कि लोकतंत्र की मूल भावना तभी मजबूत होगी जब हर पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि कोई भी पात्र मतदाता नामांकन से वंचित न रहे, पूर्व राज्यमंत्री ने

भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बूथ लेवल अभिकर्ताओं से अपील की कि वे घर-घर जाकर पात्र मतदाताओं के फॉर्म भरवाएं, उन्होंने उन लोगों को विशेष प्राथमिकता देने को कहा जिन्हें तकनीकी या शारीरिक कारणों से फॉर्म भरने में कठिनाई होती है।

ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में विधानसभा संदीप पुरोहित ने एसआईआर की ऑनलाइन प्रक्रिया का विस्तृत प्रशिक्षण दिया।

प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने बताया कि ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में वरिष्ठ नेता प्रेमप्रकाश मूंदड़ा, शहर अध्यक्ष अनिल सोनी, ग्रामीण अध्यक्ष विक्रम जाट, प्रदेश सचिव रणजीत लोट संगठन महामंत्री महेंद्र शर्मा, पूर्व, सभापति रमेशनाथ योगी, पूर्व उप सभापति कैलाश पंवार, जिला उपाध्यक्ष गोविंद शर्मा, जिला महामंत्री प्रमोद तंवर, जिला महामंत्री कमल गुर्जर, जिला प्रवक्ता राजेश सोनी, शहर संगठन महामंत्री महेश काकानी, ग्रामीण संगठन महामंत्री लादूलाल धाकड़, मंडल अध्यक्ष दिनेश सोनी, वरिष्ठ नेता बालमुकुंद मालीवाल, अर्जुन रायका, पूर्व पीसीसी सदस्य रामलाल जाट, किसान प्रकोष्ठ रामस्वरूप जाट, जिला सचिव गेरहरुगीरी गोस्वामी, जिला सचिव राकेश घारू, शहर महामंत्री शंभुलाल प्रजापत, सोशियल मीडिया प्रभारी ललिता रैगर, जिला सचिव राकेश घारू, शंकर सेन देवीलाल धाकड़, घोसुंडा सरपंच दिनेश भोई, एनएसयूआई अध्यक्ष कान्हा वैष्णव, पूर्व यूवक कांग्रेस अध्यक्ष नवीन तंवर, विधानसभा अध्यक्ष छत्रपाल सिंह चौहान, युवक कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नितिन वर्मा, पूर्व एनएसयूआई अध्यक्ष कविश शर्मा, छत्रपाल सिंह चौहान पार्षद रामगोपाल लोहार टिंकू धामानी, सत्यनारायण मूंदड़ा, शैलेंद्र सिंह शक्तावत, शहर महामंत्री शंभुलाल प्रजापत, पूर्व सरपंच सुरेंद्रसिंह, सरपंच जितेंद्र रैगर, सरपंच प्रतिनिधि रतनलाल मीणा, पूर्व उप सरपंच मांगीलाल डांगी, उप सरपंच गोरीलाल गुर्जर, रामेश्वर बैरवा, संजय रैगर, गिरिवर सिंह, कमलेश माली, अनुराग शर्मा, अनिल सैनी, गजानंद शर्मा, रघुवीर सिंह , प्रवीण मेनारिया, मनीष चांवला, संदीप पुरोहित, गोपाल चांवला, गौरव छिपा, राजेंद्र मूंदड़ा, संजय राव, नारायण धाकड़, श्रीलाल गुर्जर, दीपक जोशी, कमलेश माली, शरीफ खान, सुनील जाट, भेरू पुरबिया, पृथ्वीराज डांगी, सरफराज खान, अजय मल्होत्रा, किशनलाल धाकड़, हीरालाल गाडरी, रामेश्वरलाल जाट, रतनलाल धाकड़, श्यामलाल चारण,पूर्व सरपंच किशनलाल मेघवाल, कमलेश ईनाणी, कालूराम कुमावत, अवधेश नवाल, भेरूलाल धनगर, गोर्वधनदास,राहुल बंजारा, भरत सालवी, मुकेश खटीक, कालूदास वैष्णव, राहुल धाकड़, जमनालाल सेन, नीलेश पुजारी, शांतिलाल डांगी, सोहनलाल डांगी, रामेश्वरलाल जाट, दुर्गेश चौहान, मनोहर जाट, रतन सिंह, बाबूलाल बैरवा, जियाउल रहमान नीलगर, मनीष धाकड़ सहित अन्य बूथ स्तर के बीएलए ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

घटिया पेचवर्क दो दिन में ही उखड़ा, कैसे होगा सड़को का कायाकल्प

प्रशासन की गंभीर लापरवाही, घटिया मैटेरियल का किया उपयोग

स्मार्ट हलचल| लाखेरी

उपखंड क्षेत्र की भाण्ड गंवार सड़क पर हाल ही में किए गए पेचवर्क की पोल दो दिनों में ही खुल गई। बड़े गड्ढों पर किया गया डामरीकरण वाहनों का मामूली दबाव भी नहीं झेल पाया और जगह-जगह से परतें उखड़कर बिखर गईं। इससे सड़क पहले से भी अधिक खस्ताहाल हो गई है, जिसके चलते ग्रामीणों व वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने विभाग और ठेकेदार पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार गड्ढों को ठीक से भरे बिना ही सीधे ऊपर से पेच डाल दिया गया, जिसके कारण मरम्मत शुरू से ही कमजोर रही और जल्दी उखड़ गई। क्षेत्रवासियों का कहना है कि वर्षों से इस सड़क पर मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन गुणवत्ताहीन काम की वजह से सड़क कभी टिकाऊ नहीं बन पाती।

जिम्मेदारों पर उठ रहे सवाल

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारी कभी भी मौके

पर निरीक्षण नहीं करते, जिसके चलते ठेकेदार मनमाने तरीके से घटिया गुणवत्ता का काम कर रहे हैं। लोगों ने जिला प्रशासन से पूरे प्रकरण की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी जताई नाराज़गी

युवा भाजपा नेता हनुमान गुर्जर ने कहा कि परसो सड़क पर जहां बड़े गड्ढे थे, वहां बिना गड्ढे भरे ही पेच डाल दिए गए। पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार खुलेआम मनमानी कर रहे हैं और इसकी कीमत जनता चुका रही है।

मुकेश गोचर ने आरोप लगाया कि भाण्ड-गंवार सड़क को विभाग ने नकारा घोषित कर रखा है, फिर भी पेचवर्क किया जा रहा है। जबकि सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है और इसे नए सिरे से बनाना चाहिए।

प्रशासन का पक्ष

प्रशासन के कुछ अधिकारियों ने सफाई देते हुए कहा कि इस मार्ग पर वाहनों का दबाव बहुत अधिक है, जिसके चलते मरम्मत जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे हालात में हम भी सीमित संसाधनों में ही काम कर पा रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते विभाग ने अनियमितताओं पर रोक नहीं लगाई तो क्षेत्र की सड़कें सालभर आमजन के लिए मुसीबत बनी रहेंगी। लोगों ने सड़क की स्थायी मरम्मत कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग उठाई है, ताकि आवागमन सुचारु हो सके।

हाड कंपाती ठण्ड में फुटपाथ पर सो रहे लोगों को मिली राहत खिले चेहरे

अंतर्राष्ट्रीय वैष्य महासम्मेलन ने की कम्बल सेवा

स्मार्ट हलचल

बारां। सामाजिक सेवा में अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय वैष्य महासम्मेलन की जिला इकाई ने गत रात्रि को शहर के प्रमुख मार्गों और रोडवेज बस स्टेण्ड सहित बस्तियों में हाड कंपाती ठण्ड के बावजूद खुले में सो रहे कई लोगों को गरम ऊनी कंबल उपलब्ध करवाए तो ठण्ड से राहत पाकर उनके चेहरे खिल उठे।

अंर्तराष्ट्रीय वैष्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष ललितमोहन खण्डेलवाल, प्रदेष महिला कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला जैन भाया, प्रदेष उपाध्यक्ष यषभानु जैन, प्रदेष मंत्री कमलेष विजयवर्गीय, महिला अध्यक्ष नीतू गुप्ता, युवा अध्यक्ष भानू कुमार पोरवाल के नेतृत्व में गत रात्रि को हाड कंपाती ठण्ड से बचाव के लिए रोडवेज बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेषन के बाहर, फुटपाथ पर सो रहे लोगों को उस वक्त राहत महसूस हुई जब अंर्तराष्ट्रीय वैष्य महासम्मेलन के पदाधिकारियों द्वारा उन्हें हाड कंपाती ठण्ड से बचाव के लिए कंबल उपलब्ध करवाए गए। खुले में सो रहे लोगों को जब ठण्ड से राहत व बचाव के लिए कम्बल मिले तो उनके चेहरों पर खुषी की लहर दिखाई दी। इस अवसर पर वैष्य महासम्मेलन के महामंत्री आनन्द बंसल, बृजेष गुप्ता, दिनेष गुप्ता, दिनेष बंसल सहित कई वैष्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गेंडोली खुर्द की झोपडियां के ग्रामीणों ने परिसीमन पर जताई आपत्ति

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिले के केशवराव पाटन पंचायत समिति गेंडोली खुर्द की झोपडियां के ग्राम वासियों ने गेण्डोली खुर्द की झोपड़ियां का परिसीमन पूर्व अनुसार रखने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोपा ।

ज्ञापन में लिखा है कि ग्राम गेंडोली खुर्द की झोपड़ियां परिसीमन से पूर्व ग्राम पंचायत गेंडोली खुर्द के अंतर्गत आता है। जो हमारे गांव से लगभग 4 किलोमीटर की दूरी पर होने से ग्रामीणों को पंचायत मुख्यालय पर पहुंचकर पंचायत संबंधी कामकाज करवाने में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं हो रही है एवं आसानी से कम हो जाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा हाल ही में करवाई जा रहे ग्राम पंचायत के पुनर्गठन के तहत हमारे ग्राम गेंडोली खुर्द की झोपड़ी को नवनिर्मित ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर में शामिल कर दिया जो कि हमारे गांव से 17 किलोमीटर दूरी पर है। ग्राम वासियों ने बताया कि ग्राम गेंडोली

खुर्द की झोपड़ियो को परिसीमन के तहत नई ग्राम पंचायत जगन्नाथपुरा में नहीं जोड़कर पूर्व अनुसार ग्राम पंचायत गेंडोली खुर्द में रखे जाने की आपत्ति दर्ज कर परिसीमन के तहत नहीं ग्राम पंचायत जगन्नाथपुरा में जोड़े गए हमारे गांव को हटाकर गेडोली खुर्द में ही रखा जाए। ज्ञापन देने वालों में जुगराज मीणा, रामलाल मीणा, राधेश्याम, श्याम सुंदर, महावीर बंजारा,कंवरलाल, बादल सिंह, प्रियंका मीणा वैशाली मीणा, शंकर, देवलाल, मूलचंद, मुकेश, अंतराम, नारायण, पृथ्वीराज, सूरजमल, राजेंद्र बंजारा, राधेश्याम सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

महावीर मीणा की नियुक्ति से बूंदी जिले में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी -प्रहलाद गुंजल

कांग्रेस जिलाध्यक्ष मीणा ने गुंजल के निवास पर पहुंचकर जताया आभार

स्मार्ट हलचल| बूंदी

कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष महावीर मीणा ने सोमवार को कोटा बूंदी लोकसभा कांग्रेस प्रत्याशी रहे प्रहलाद गुंजल के निवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। नवनियुक्त कांग्रेस जिला अध्यक्ष महावीर मीणा ने जिलाध्यक्ष बनाने में सहयोग के लिये प्रहलाद गुंजल का गुलदस्ता भेंट कर व मुँह मीठा करवाकर अभिनंदन किया।

प्रहलाद गुंजल ने उनके निवास पर आभार व्यक्त करने पहुंचे बूंदी कांग्रेस जिला अध्यक्ष महावीर मीणा का मुंह मीठा करवाकर और माला पहनाकर बधाई दी। इस अवसर पर बूंदी जिले से पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल व नवनियुक्त जिला अध्यक्ष महावीर मीणा के साथ राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य चर्मेश शर्मा, बूंदी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामकरण मीणा,ओबीसी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव जगरुप सिंह

रंधावा का बड़ी माला पहनकर किया स्वागत।इस अवसर पर बूंदी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष चेतराम मीणा, बनवारी मीणा,तीरथ मण्डल अध्यक्ष प्रहलाद मीणा,एडवोकेट अनिल गुर्जर,खड़ीपुर सरपंच मोहन गुर्जर, किशनगोपाल मीणा रायथल,युवा नेता बबलू गुर्जर,राजेश मीणा, गिरिराज मीणा भीमगंज,राकेश मीणा आमली,अमन राठौर,राजेन्द्र मीणा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता कांग्रेस जिलाध्यक्ष महावीर मीणा के नेतृत्व में प्रहलाद गुंजल के निवास पर पहुंचे।

संगठन सृजन अभियान से पार्टी को मिलेगी मजबूती

इस अवसर पर कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल ने कहा कि पूरे देश में कांग्रेस पार्टी में संगठन सृजन अभियान के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं को आगे लाने की अलख जग रही है।उन्होंने कहा कि बूंदी में महावीर मीणा का कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्ति होने से पूरे जिले में संगठन मजबूत होगा। गुंजल ने कहा कि वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रीय संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा राज-स्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व कांग्रेस के सभी नेताओं के आभारी हैं कि उन्होंने बूंदी जिले के संगठन में महावीर मीणा को कांग्रेस पार्टी का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है।

मीणा ने शीर्ष नेतृत्व के साथ गुंजल का जताया आभार

इस अवसर पर बूंदी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महावीर मीणा ने जिलाध्यक्ष पर नियुक्ति पर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहे कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल का विशेष आभार जताया। मीणा ने कहा कि वे जमीन पर काम करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगे लाने का कार्य करेंगे और कांग्रेस के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलेंगे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य चर्मेश शर्मा ने कहा कि एक साधारण किसान परिवार से आने वाले महावीर मीणा ने छात्र राजनीति से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की है। वे एनएसयूआई व युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रहे हैं।साथ ही ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी रहे हैं तथा जिला परिषद सदस्य के साथ नगरपालिका में पार्षद भी रहे हैं इस प्रकार उनके पास संगठन का लंबा अनुभव है। उनकी नियुक्ति से युवाओं में जोश का संचार हुआ है।

मोरपाल ने अंता मांगरोल विधानसभा क्षेत्र में सुमन की आभार यात्रा जारी

स्मार्ट हलचल

बारां। मोरपाल सुमन ने सोमवार को अंता मांगरोल विधानसभा क्षेत्र के बामला, बामली,देवजरिया मोहल्ला , मेखल्या मोहल्ला , टापरिया आदि गाँवो मे पहुंचकर चुनावों के दोरान मत एवं समर्थन देने पर धन्यवाद व आभार प्रकट किया !

भाजपा जिला प्रवक्ता सचिन सनाढ्य व सह प्रवक्ता योगेश राजोरा ने जानकारी देते हुए बताया मोरपाल सुमन लगातार गाँवो मे पहुंचकर कार्यकर्ताओं पदाधिकारीयों एवं आम जनता का वोट रूपी आशीर्वाद प्रधान करने पर धन्यवाद व आभार प्रकट कर रहे है वही यात्रा के दोरान जन समस्याओं के समाधान का भरोसा दिला रहे हे इस दोरान पूर्व पंचायत समिति सदस्य जुगराज मीणा, ओम सुमन, विष्णु सेन, हेमेंद्र मीणा, राधे गौड़, राजेंद्र मीणा, महेश सेन, कौशल वैष्णव, दशरथ नागर, गिरधर मीणा, मुकूट गौड़, रवि वैष्णव, भूपेन्द्र सैन, ओम आर्य, निर्मल पटेल, कमल सुमन, दीपक सुमन सहित कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद।

बस कंडक्टर की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल । चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ जिले के भदेसर थाना क्षेत्र में शनिवार को हुई बस कंडक्टर की हत्या के मामले में आरोपी टेम्पो चालक सत्यनारायण टांक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। विवाद के दौरान ईंट से सिर पर वार कर हत्या की गई थी; आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है, जिसमें दोनों पक्षों के पुराने विवाद का पता लगाया जा रहा है।घटना होड़ा चौराहे पर दोपहर के समय हुई, जब मृतक बस कंडक्टर और आरोपी टेम्पो चालक के बीच पार्किंग को लेकर बहस हो गई। बहस बढ़ने पर आरोपी ने ईंट उठाकर कंडक्टर के सिर पर प्रहार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल को चित्तौड़गढ़ अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संग्रह किए और आरोपी की तलाश शुरू की।थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी सत्यनारायण टांक ने पूछताछ में अपराध स्वीकार किया है। मामले में हत्या की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। स्थानीय बस संचालकों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की, लेकिन मांग की कि परिवहन क्षेत्र में विवादों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और सुरक्षा के लिए पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है। मृतक के परिवार ने न्याय की मांग की है।

मकोडिया गांव में दिखा पैंथर किसान व वन कर्मी पर किया हमला, किसानों में दहशत का माहौल

स्मार्ट हलचल । चौमहला

चम्बल नदी के किनारे बसे मकोडिया गांव में सोमवार सुबह पेंथर का मूवमेंट देखा गया। पैंथर ने दो लोगों पर हमला कर दिया जिनका चौमहला चिकित्सालय में उपचार जारी है,पैंथर के मूवमेंट से ग्रामीणों में दहशत भय का माहौल बना हुआ है। सूचना पर स्थानीय पुलिस वो वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार कालू लाल मेघवाल अपने खेत की ओर जा रहे थे तभी घात लगाकर बैठे पैंथर ने झाड़ियों से निकल कर उन पर हमला कर दिया।

किसान कालूलाल की चीख पुकार सुन कर आसपास खेतों में मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने शोर मचाकर तेंदुए को वहां से भगाया। परिजन घायल किसान को तत्काल चौमहला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए, जहां उनका उपचार जारी है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी,

थानाप्रभारी अमरनाथ जोगी ने बताया कि तेंदुए के हमले की सूचना पर पुलिस दल ने घटनास्थल का दौरा किया। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि तेंदुआ अभी भी आसपास की झाड़ियों में छिपा हुआ है। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा पैंथर के पग मार्क के साथ उसकी तलाश की जा रही थी तभी पैंथर ने वन

कर्मी पीरु लाल धोबी पर हमला कर दिया,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वन विभाग द्वारा झालावाड़, कोटा टिम को सूचना दी।कोटा से ट्रेगुलाइजर के लिए टिम भी मौके पर आ रही है। सूचना मिलने पर उपखंड अधिकारी छत्रपाल चौधरी,उप पुलिस अधीक्षक गुलाबा राम,थाना प्रभारी अमरनाथ जोगी,तहसीलदार गणेश खंगार भी मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया।

झालावाड़ से टीम पहुंची

सोमवार दोपहर बाद झालावाड़ से वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची पैंथर के मूवमेंट की जगह शिकार रख पिंजरा रखा। गस्त दस्त टीम में झालावाड़ इंचार्ज जय सिंह हाड़ा,महेश कुमार, हनुमान सिह, फिरोज खान,वन विभाग रेज डग व पिड़ावा से शम्भू लाल वर्मा ,केलाश सेन,राजेंद्र कुमार मीणा ,सुभाष कुमार डाका,सुशील कुमार, पीरुलाल,गोविंद सिह रामेश्वर प्रसाद सहित पिड़ावा,स्टाफ मौजूद रहा,टिम अभी मौके पर ही पड़ाव डाली हुई है।

टीम मौके पर मौजूद है,पैंथर के हर मूवमेंट पर नजर रखी जा रही है,टिम रात्रि को भी वही रहेगी,पैंथर नजदीकी एमपी की तरफ से आया होगा तो रात्रि में वापस लौट भी सकता है।

नरेंद्र चौधरी
रेंजर वन विभाग डग

नीलम त्रिपाठी बनीं जिला संयोजक

स्मार्ट हलचल | बानसूर

स्वच्छ भारत मिशन राजस्थान के प्रदेश के संयोजक के. के. गुप्ता ने भाजपा जिला अलवर उत्तर के जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी की अनुशंसा पर भाजपा जिला मंत्री नीलम त्रिपाठी को स्वच्छ भारत मिशन का जिला संयोजक नियुक्त किया हैं। इसके साथ ही सविता यादव व कंचन तिवाडी जिला सह संयोजक का दायित्व को सौंपा हैं । नीलम त्रिपाठी को संयोजक बनाए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर खुशी जाहिर की। त्रिपाठी ने अपनी नियुक्ती पर जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी,विधायक देवी सिंह शेखावत, प्रदेश संयोजक के के गुप्ता सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

पांच से अधिक चालान वाले वाहन होंगे ब्लैकलिस्ट

स्मार्ट हलचल| सहारनपुर

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर बार-बार चालान कटवाने वाले वाहन मालिकों पर अब पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने 11,500 गाड़ियों की सूची आरटीओ विभाग को भेजी है। जिन पर पांच से अधिक चालान पेंडिंग हैं और जिनका भुगतान वाहन मालिकों ने अब तक नहीं किया है। आरटीओ विभाग इन वाहनों को ब्लैकलिस्ट करने की तैयारी में है। ब्लैकलिस्ट होने के बाद ऐसे वाहन न तो ट्रांसफर हो पाएंगे और न ही उनकी बिक्री आसानी से हो सकेगी। विभाग का कहना है कि कई वाहनों पर 25 तक चालान लंबित हैं, जो गंभीर लापरवाही का संकेत है। पुलिस का मानना है कि बार-बार चालान होने के बावजूद लोगों का भुगतान न करना ट्रैफिक व्यवस्था को प्रभावित करता है और सड़क सुरक्षा पर भी खतरा बढ़ाता है। इस कार्रवाई का उद्देश्य लोगों में नियमों के प्रति जागरूकता लाना और लापरवाह चालकों पर अंकुश लगाना है।

धर्म रक्षा निधि समाज को एकजुट करने और धर्म रक्षा का संकल्प हैं -प्रताप सिंह

स्मार्ट हलचल| बून्दी

विश्व हिंदू परिषद की जिला बैठक जिला अध्यक्ष नन्दलाल वर्मा की अध्यक्षता में केशोरायपाटन स्थित राजराजेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित की गईए जिसमें प्रांत अध्यक्ष प्रताप सिंह नागदा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

अपने संबोधन में प्रांत अध्यक्ष माननीय प्रताप सिंह नागदा ने कहा कि धर्म रक्षा निधि केवल निधि संग्रह नहींए बल्कि समाज को एकजुट करने और धर्म रक्षा का संकल्प है। जिस प्रकार महाराणा प्रताप को भामाशाहों द्वारा आर्थिक शक्ति मिली थीए उसी प्रकार समाज की सामूहिक शक्ति से संगठन सुदृढ़ होता है। बैठक में प्रांत सेवा प्रमुख देवलाल गुर्जर, प्रांत संयोजक योगेश रेनवाल एवं विभाग मंत्री नंदलाल जी प्रजापत विभाग सह संयोजक सह संयोजक लक्की चोपड़ा का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

जिला मंत्री संजय नागर द्वारा आगामी कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा केशोरायपाटन प्रखंड की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सत्यप्रकाश ओझा को प्रखंड मंत्री नियुक्त किया गया। बैठक में जिले प्रखण्ड के विभिन्न दायित्ववान कार्यकर्ता जिला कोषाध्यक्ष कपूर जैन जिला सह मंत्री शंकर गुर्जरए रामेश्वर दुबे जिला मिलन केंद्र प्रमुख बृजेश प्रखंड मंत्री पवन गौतम ऋतुराज हीरालाल गुर्जर नारायण चौधरी अनिल आकाश सोनू जांगिड़ सहित जिला कार्यकारिणी सदस्य व अपेक्षित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लाल और नीली बत्ती लगाकर फर्जी पुलिस अधिकारी बन रोब झाड़ने वाले तीन गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। भवानी मंडी पुलिस ने कार में लाल और नीली बत्ती लगाकर आमजन पर पुलिस अधिकारी बनकर रोब झाड़ने की आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया झालावाड़ जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया की वर्तमान में बढ़ते हुए अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने हेतु सभी थाना अधिकारियों को थाना स्तर पर टीम गठित कर कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए थे जिसके अंतर्गत पुलिस थाना भवानी मंडी द्वारा मध्य प्रदेश पुलिस का फर्जी इंस्पेक्टर और फर्जी पुलिसकर्मी

बनकर अपने निजी वाहन अर्टिगा कर में लाल और नीली बत्ती लगाकर घूमते हुए तीन आरोपियों को भवानी मंडी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया थाना अधिकारी रमेश चंद मीणा ने बताया कि कल सहायक उप निरीक्षक लटूर लाल मय जाप्ते के जयपुरिया ऑयल मिल के यहां एक संदिग्ध कर अर्टिगा नंबर एमपी 135टु4823 रंग सफेद जिस पर लाल और नीली बत्ती लगी को रोक कर चालक बंटी उर्फ रवि एवं हमाराह साथी गण अभिषेक व सुनील से गाड़ी पर नीली लाल बत्ती लगी होने के संबंध में पूछताछ की तो बंटी उर्फ रवि ने स्वयं को मध्य प्रदेश पुलिस में ट्रैफिक इंचार्ज होना बताया एवं स्वयं की ही गाड़ी होना बताया तथा साथी गण अभिषेक और सुनील को स्वयं के साथ स्टाफ होना बताया इस पर अभिषेक और सुनील से भी पूछताछ की तो उन दोनों ने बंटी उर्फ रवि को मध्य प्रदेश पुलिस में ट्रैफिक को इंचार्ज होना तथा खुद को साथी स्टाफ होना बताया जिस पर उक्त तीनों से तीनों के होली वह बोलचाल से संदिग्धता प्रतीत होने से कर चालक बंटी उर्फ रवि और साथी अभिषेक व सुनील से स्वयं के विभाग का कोई पहचान पत्र एवं आर्टिका पर लगी लाल नीली बत्ती के संबंध में कोई वेद दस्तावेज या अनुज्ञा पत्र चाहा तो तीनों ने ही अपने पास कोई पहचान पत्र नहीं होना बताया गह नता से पूछताछ में तीनों ही घबराकर अलग-अलग जवाब देने लगे बंटी उर्फ रवि ने अपनी गलती मानकर रिश्तेदारी में शादी होने के कारण रौब जमाने के लिए कार पर नीली और लाल बत्ती लगा बताया इत्यादि पर तीनों के खिलाफ अपराध पंजीकृत किया गया थाना अधिकारी रमेश चंद मीणा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन एवं भवानी मंडी पुलिस उप अधीक्षक प्रेम कुमार के निकटतम सुपरविजन में पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई में पुलिस टीम में थाना अधिकारी स्वयं व सहायक उप निरीक्षक लटूर लाल कांस्टेबल रवि दुबे, कांस्टेबल मुकेश कुमार आदि शामिल थे थाना अधिकारी ने आम जन से अपील की है कि कोई भी नागरिक अपने चार पहिया वाहनों पर मॉडिफाई बंपर एवं दोपहिया वाहनों पर मॉडिफाई साइलेंसर नहीं लगावे ऐसे लोगों के खिलाफ एम वी एक्ट के नियमों का उल्लंघन करने पर करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ब्यावर में नारी न्याय सम्मेलन में गूंजा आधी आबादी का हक, महिला कांग्रेस ने दिखाया मजबूत जनसमर्थन

आधी आबादी पूरा हक' के नारे के साथ महिला सशक्तिकरण

स्मार्ट हलचल

अजमेर। जिले में महिला कांग्रेस ने महिलाओं को सुरक्षा, अधिकार और समान भागीदारी के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को मसाला चौक पर विशाल नारी न्याय सम्मेलन आयोजित किया। महिला जिला अध्यक्ष इशिका जैन के नेतृत्व में हुए इस सम्मेलन ने जिले में महिला कांग्रेस को नई ऊर्जा और नई दिशा देते हुए बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति के साथ दमदार शक्ति प्रदर्शन किया।

इशिका जैन ने सम्मेलन के माध्यम से न केवल महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया, बल्कि 'आधी आबादी पूरा हक' के नारे के साथ महिला सशक्तिकरण की नई परिभाषा भी प्रस्तुत की। सम्मेलन के दौरान बर, जवाजा और बदनोर ब्लॉक की नई अध्यक्षों ने शपथ ग्रहण कर कांग्रेस की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला कांग्रेस की प्रभारी प्रिया शर्मा, प्रदेश महिला सचिव सुलक्षणा शर्मा और प्रदेश अभाव-अभियोग सचिव राजकुमारी तंवर ने उपस्थित रहकर महिलाओं को संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए प्रेरित किया। मसूदा सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष ज्योति कंवर ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

सम्मेलन की खास बात यह रही कि जिले के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ भीलवाड़ा और पाली से भी बड़ी संख्या में महिलाएँ और पुरुष पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाया। विजयनगर से प्रदेश कांग्रेस सचिव नवनीत टुटेजा, उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सुभाष लोढ़ा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष दौलत और दाता हुकुम सहित कई जनप्रतिनिधियों ने इशिका जैन को समर्थन और आशीर्वाद दिया। ब्यावर शहर से पूर्व विधायक मानक डाणी, कांग्रेस विधानसभा प्रत्याशी पारस पंच, दिनेश शर्मा, विक्रम सोनी, अरविंद माथुर, सोहन मेवाड़ा, राम यादव, अजय स्वामी, राजेंद्र तुनगारिया, भरत बाघमार, बालूराम सेन, नरेंद्र काठात, पप्पू काठात, सलाम काठात, भुवनेश शर्मा, शेलेश शर्मा, घनश्याम फुलवारी और ऋषि लांबा सहित कई राजनीतिक और सामाजिक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जैतारण, अजमेर एवं आस-पास क्षेत्रों से भी सैकड़ों महिला-पुरुषों की उपस्थिति ने सम्मेलन को यादगार बनाया। महिला जिला कांग्रेस की पूरी टीम ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और महिला अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया।

कर्तव्य का पालन नहीं करने वाले सुपरवाइजर को किया गया निलंबित

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी आदर्श नगर ने जारी किये निलंबन आदेश

स्मार्ट हलचल| जयपुर

जयपुर जिले में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बरतने एवं कर्तव्य का पालन नहीं करने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जयपुर के आदर्श नगर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने वाले सुपरवाइजर को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 व धारा 13 13 (ग) (ग) की प्रदत्त शक्तियों के तहत एवं राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम 13 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी आदर्श नगर श्रीमती श्यामा राठौड़ ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी श्री मुकेश कुमार मेहरा को सुपरवाईजर नियुक्त किया था। उक्त कार्मिक द्वारा चुनाव जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में, घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरती गई है। जिससे विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य बाधित हुआ है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी आदर्श नगर श्रीमती श्यामा राठौड़ ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अवहेलना एवं विशेष गहन पुनरीक्षण जैसे राष्ट्रीय महत्ता के कार्य के प्रति घोर लापरवाही, उदासीनता एंव अनुशासनहीनता के चलते सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी श्री मुकेश कुमार मेहरा को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है। निलंबन काल में उक्त कार्मिक का मुख्यालय, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी विधानसभा क्षेत्र आदर्श नगर रहेगा।

मुख्य सड़क पर सफाई ठप निराश्रित गोवंश से लोगों को परेशानी

स्मार्ट हलचल

वजीरपुर उपखण्ड क्षेत्र में मुख्य बाजार में बीते कई दिनों से नियमित सफाई नहीं होने से लापरवाही के चलते हालात दिन प्रतिदिन बिगड़ते जा रहें हैं। मुख्य सड़क पर रोजाना सफाई नहीं होने से कचरा जमा हो जाता है और राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। दीपक कुमार ने बताया कि गंदगी के कारण सड़क पर पॉलिथीन की थैली सब्जियों के छिलकों का देर पड़ा रहता है। कचरे के बीच भोजन की तलाश में निराश्रित गोवंश भी बड़ी संख्या में मुख्य मार्ग पर इकट्ठा रहते हैं, जिससे ट्रैफिक बाधित होता है।

रायनगर में जलभराव व नालियों के अवरुद्ध होने से रास्ता बदहाल

कालू गुर्जर व मोना देवी गुर्जर ने उठाया सफाई का जिम्मा

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। उपखंड क्षेत्र के रायनगर गाँव में सगस महाराज के स्थान से लेकर बाबा रामदेवजी मंदिर तक जाने वाला मार्ग इन दिनों गंभीर रूप से बाधित है। लगातार जलभराव और नालियों के अवरुद्ध होने के कारण रास्ता गहरे कीचड़ में तब्दील हो गया है। इस वजह से ग्रामीणों, श्रद्धालुओं और विद्यालय जाने वाले छात्र-छात्राओं को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीण शिवराज ने बताया कि कई बार पंचायत प्रशासन को स्थिति से अवगत कराया गया, लेकिन हर बार बजट की कमी और राशि लंबित होने का हवाला देकर कार्रवाई टाल दी गई। प्रशासनिक लापरवाही के कारण मंदिर तक पहुँचना तो कठिन है ही, साथ ही बच्चों को स्कूल पहुँचने में भी बड़ी दिक्कतें हो रही हैं।

ऐसे समय में गाँव के कालू गुर्जर और मोना देवी गुर्जर आगे आए हैं। दोनों ने स्वयं जलभराव हटाने, नालियों की सफाई कराने और रास्ते में भरे कीचड़ को साफ करने का जिम्मा उठाया है। उन्होंने स्पष्ट कहा– 'अगले 10 दिनों के अंदर पूरा रास्ता साफ कर दिया जाएगा, ताकि ग्रामीणों, श्रद्धालुओं और छात्र-छात्राओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।' ग्रामीणों ने दोनों की पहल की सराहना की और उम्मीद जताई कि इस प्रयास से जल्द ही मार्ग सुचारू हो पाएगा।

25 नवंबर को बंद रहेंगी सलाटर हाउस व मीट की दुकानें

साधु टीएल वासवानी के जन्म दिन को शासन ने घोषित किया 'मांस रहित दिवस'

स्मार्ट हलचल| सहारनपुर

कल 25 नवंबर मंगलवार को साुध टी एल वासवानी के जन्म दिन पर सहारनपुर महानगर में सभी सलाटर हाउस व मीट की दुकानें बंद रहेंगी। प्रदेश शासन के निर्देश पर निगम के प्शु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा ने इस सम्बंध में आज निर्देश जारी किये गए हैं।

नगर निगम के पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा ने बताया कि प्रदेश शासन ने साधु टी एल वासवानी के जन्म दिन को मांस रहित दिवस घोषित करते हुए सभी पशुवधशालाएं व मीट की दुकानें बंद रखने के निर्देश दिए हैं। शासन के इन्हीं निर्देशों के क्रम में कल मंगलवार 25 नवंबर को नगर निगम सीमांतर्गत समस्त पशु व धशालाएं मांस, मछली व मुर्गा आदि की दुकानें अनिवार्य रुप से बंद रहेंगी।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जायेगा। यदि कोई भी पशु वधशाला, मांस, मुर्गा व मछली की दुकान खुली पायी गयी तो दोषी वधिकों व दुकानदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

मुख्यमंत्री और पुलिस के खिलाफ वीडियो रील बनाने वाला गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| इटावा

सरकार और पुलिस का जीना हराम कर डालो... कुर्सी हिला डालो उस सीएम की... के फिल्मी डायलाग के साथ रील बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रचलित करने वाले युवक पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। जनपद में पिछले कुछ दिनों से यह वीडियो तेजी से प्रचलित हो रहा था।

थाना क्षेत्र के एक युवक द्वारा फेसबुक पर मुख्यमंत्री और पुलिस को लेकर एक डायलाग का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर अपलोड किया गया। वीडियो में मुख्यमंत्री व पुलिस के लिए आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया जा रहा था। युवक ने कुर्ता-पजामा पहनकर कुछ साथियों के साथ चलते हुए वीडियो प्रचलित की थी। इंटरनेट मीडिया पर प्रचलित हो रही इस वीडियो का पुलिस ने संज्ञान लिया। उपनिरीक्षक सतेंद्र शुक्ला ने वीडियो के संबंध मे शनिवार को एक रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया वीडियो में डायलाग के साथ की जा रही टिप्पणी आपत्तिजनक है प्रचलित वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान रंजीत यादव निवासी नगला जलाल के रूप में हुई। जिसके बाद शनिवार की देर रात रंजीत को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिनजक टिप्पणी के साथ प्रचलित हो रहे वीडियो में दिखने वाले युवक को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की गई है। एसडीएम श्वेता मिश्रा के न्यायालय में भेजा गया जहां पर उसकी जमानत निरस्त कर 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया।

मीडियाकर्मी द्वारा उठाया गया मामला, उसके बाद हुआ मुकदमा दर्ज

इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सुघर सिंह पत्रकार द्वारा उक्त वीडियो का मुद्दा उठाया गया। उन्होंने उक्त वीडियो को एक्स पर अपलोड करके मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक, एडीजी जोन कानपुर, डीआईजी कानपुर रेंज, एसएसपी इटावा को टैग करते हुए कार्रवाई की मांग की। उसके बाद मामला पुलिस मुख्यालय पहुंचने के बाद ऊसराहार थाने की पुलिस हरकत में आई और थाने के उपनिरीक्षक सतेंद्र कुमार शुक्ला ने आरोपी रंजीत यादव के मुकदमा दर्ज कर तत्काल कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया।

पहले भी अवैध रायफल, व कार पर स्टंट करते हुए वीडियो हुए थे वायरल, पुलिस ने नहीं की थी कार्यवाही

गिरफ्तार अभियुक्त रंजीत यादव के दो वीडियो पहले भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे जिसमें एक में अवैध राइफल लिए हुए चलते हुए दिख रहा है और दूसरे वीडियो में कार के बोनट पर कई लोगों के साथ बैठकर स्टंट कर रहा है उक्त दोनों वीडियो पर पुलिस को शिकायत की गई थी लेकिन पुलिस ने जांच ठंडे बस्ते में डाल दी थी। गाड़ी 1 रायफल किसकी थी आज तक पुलिस यह नहीं बता पाई है।

आर्थिक तंगी और पारिवारिक कलह के चलते संसार को अलविदा कह बैठे तीन लोग

स्मार्ट हलचल

कानपुर। आर्थिक तंगी और उसकी वजह से ही पारिवारिक कलह के चलते तीन लोगों ने संसार को अलविदा कह दिया। आत्महत्या करने वाले तीनों लोगों की लाशों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भिजवाने के बाद घटना की छानबीन भी शुरू कर दी है। वहीं उनके परिवार में कोहराम भी मचा हुआ है।

आत्महत्या के रूप में असमय मौत को गले लगाने की यह घटनाएं पनकी, बर्रा व सचेंडी थानाक्षेत्र में अलग-अलग कारणों सें हुई।

पहली घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार बर्रा विश्वबैंक निवासी छक्की लाल (56) लोडर चालक थे, परिवार में पत्नी शांति व दो बेटे अश्वनी और नीरज हैं। अश्वनी ने बताया कि पिता सांस की बीमारी से ग्रसित थे, जिसका इलाज चल रहा था। रविवार रात 8 बजे घर लौटने के बाद वह बेटे अंश व सोम के साथ खेल रहे थे। कुछ देर बाद वह बिना बताए घर से निकल गए। काफी देर तक वापस न आने पर तलाश शुरू की, लेकिन कोई पता नहीं चला।

रविवार सुबह पनकी पुलिस को कपली गांव के पास ट्रेन की पटरी पर शव पड़ा मिला।

इसी तरह की दूसरी घटना के मुताबिक नौबस्ता के सिमरा गांव निवासी अविनाश पाल ऑटो पार्ट्स की दुकान में काम करते हैं। परिवार में 24 वर्षीय पत्नी सोनी, दो बच्चे अश्वनी और सात माह का बेटा है। परिजनों ने बताया कि रविवार को सोनी का पति अविनाश से खाना बनाने को लेकर झगड़ा हो गया, जिसके बाद पति सब्जी लेने बाजार चला गया।

इस बीच सोनी ने अपने सात माह के बेटे को सास को देकर फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली, जब पति सब्जी लेकर घर लौटा तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि पति से विवाद के बाद पत्नी ने आत्महत्या की है। जबकि तीसरी घटना के बारे में मिली जानकारी के मुताबिक सचेंडी के रामनारायण पुरवा निवासी ओम प्रकाश ट्रक ड्राइवर हैं। उनके परिवार में पत्नी, चार बेटे और एक शादीशुदा बेटी है। परिजनों ने बताया कि 20 वर्षीय बेटा विशाल ट्रक में क्लीनर का काम करता था। रविवार रात को वह घर लौटा और अपने कमरे में सोने चला गया। आज सोमवार सुबह परिजन उठे तो उसका सब फंदे से लटकता हुआ मिला। घटना की जानकारी के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इन तीनों घटनाओं का संबंध आर्थिक तंगी और इसी वजह से पारिवारिक कलह से जुड़ी बताई गई है । पुलिस ने तीनों की लाशों को पोस्टमार्टम भेजने के बाद घटना की छानबीन शुरू कर दी है।

शहर में विकास की धारा लगातार प्रवाहित होती रहेगी: महापौर

स्मार्ट हलचल | सहारनपुर

महापौर डॉ. अजय कुमार व नगर विधायक राजीव गुबर ने आज महानगर के वार्ड संख्या 6 में 50 लाख रूपए की लागत से निर्मित होने वाली एक सड़क एवं नाले के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इसके अलावा वार्ड संख्या 34 में एक सड़क तथा वार्ड संख्या 40 में दो सड़कों का निर्माण पूरा होने पर उनका भी लोकार्पण किया गया। महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नाई व क्षेत्रीय पार्षद राजेंद्र सिंह कोहली भी मौजूद रहे।

महानगर में विकास कार्यों को गति देते हुए आज महापौर डॉ. अजय कुमार व विधायक राजीव गुंबर ने जहां वार्ड 6 में एल्पाइन पब्लिक स्कूल वाली गली में सड़क निर्माण व नाला निर्माण का सड़क पर गेंती चलाकर शुभारंभ किया। वहीं वार्ड संख्या 40 में गुरुद्वारा रोड पर माधोप्रसाद गली रेलवे रोड स्थित अनंत बिल्डिंग वाली गली में दो सड़कों का निर्माण कार्य पूरा होने पर शिलापट का अनावरण करते हुए महापौर व नगर विधायक ने दोनों सड़कों का लोकार्पण किया। वार्ड 34 में भी एक सड़क का लोकार्पण किया गया। इससे पूर्व क्षेत्र के लोगों ने महापौर व नगर विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत किया। महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि योगी सरकार में महानगर में रिकॉर्ड विकास कार्य हुए है। नगर निगम लोगों के आवागमन के मार्ग को सुगम बनाने के लिए जहां सड़कों का लगातार निर्माण करा रहा है, वहीं शहर को जल भराव की समस्या से मुक्त कराने के लिए नालों का निर्माण भी बड़ी संख्या में हुआ है। उन्होंने कहा कि विकास की यह धारा लगातार यूं ही प्रवाहित होती रहेगी। नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि निगम निधि के अलावा महानगर में विधायक निधि से भी बड़ी संख्या में सड़क व अन्य निर्माण कार्य कराएं गए है दोनों सड़कों का लोकार्पण इसी कड़ी में शामिल हैं। हमारा उद्देश्य लोगों की सड़क, पानी, लाइट आदि समस्याओं का निदान कर शहर को एक विकसित और आदर्श महानगर बनाना है। महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद राजेंद्र कोहली, रविकांत चड्ढ़ा, राजीव शर्मा, मुकेश सेठी व आर के गाबा आदि मौजूद रहे।

कनिष्ठ सहायक कुलदीप सिंह 18,500 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | जयपुर

एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी सवाई माधोपुर ईकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये आरोपी कुलदीप सिंह, कनिष्ठ सहायक को तहसीलदार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता के द्वारा परिवादी से कुलदीप सिंह कनिष्ठ सहायक को प्राप्त की गई रिश्वत राशि 18,500 रुपये के रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी तहसीलदार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता को कार्यवाही की भनक लगने से फरार हो गया जिसकी तलाशी जारी हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी सवाई माधोपुर को एक शिकायत इस आशय कि मिली कि परिवादी से उसके पिता द्वारा जरिये दानपत्र की गयी भूमि की रजिस्ट्री करवाने की एवज में तहसीलदार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता द्वारा कुलदीप सिंह कनिष्ठ सहायक के मार्फत से रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। परिवादी के पिताजी के नाम की कृषि भूमि को परिवादी की पत्नि के नाम से भूमि की रजिस्ट्री करवाने की एवज में तहसीदार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता अपने कार्यालय में पदस्थापित कुलदीप सिंह कनिष्ठ सहायक के मार्फत परिवादी से तहसीदार व स्वयं लिये 28,500/- रूपये चालान सहित रिश्वत राशि की मांग की गई, इस पर परिवादी द्वारा ब्यूरो ईकाई सवाई माधोपुर पर रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथो पकड़वाने बाबत एक प्रार्थना पत्र पेश किया। जिस पर दिनांक 20.11.2025 को रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया गया तो रिश्वत मांग सत्यापन में कुलदीप सिंह कनिष्ठ सहायक ने परिवादी से ऑन लाईन चालान सीताराम की ई-मित्र की दुकान पर 10,000/- रूपये करवा दिया एवं परिवादी के पास शेष राशि 18,500/- नहीं होने पर रजिस्ट्री के दिन लेने पर सहमत हुआ। उक्त मांग के अनुसरण में रिश्वती राशि 18,500/- रूपये आज दिनांक 24.11.2025 को आरोपी कुलदीप सिंह बाबू द्वारा तहसीदार लक्ष्मण गुप्ता से जरिये मोबाईल बात कर परिवादी से सीताराम ई-मित्र की दुकान पर प्राप्त कर अपनी पहनी हुई पेन्ट की जेब में रिश्वत राशि रखना एवं परिवादी सहित सीताराम ई-मित्र की दुकान से रवाना होकर तहसील कार्यालय बरनाला में पहुंचना एवं तहसील कार्यालय में आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। एसीबी भरतपुर रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह के सुपरविजन में ज्ञान सिंह चौधरी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी सवाई माधोपुर द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये कुलदीप सिंह कनिष्ठ सहायक को परिवादी से 18,500/- रुपये रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है व तहसीलदार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता को कार्यवाही की भनक लगने से फरार हो गया। ए.सी.बी. की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। ए.सी.बी. द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

बगराना में श्रमिक सम्मान समारोह: अखिल भारतीय श्रम गौरव महासभा ने मजदूरों को दिलाया न्याय का भरोसा, पूर्व डीजीपी ने दी बधाई

स्मार्ट हलचल

विराट नगर। आदर्श नगर जयपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बगराना में अखिल भारतीय श्रम गौरव महासभा जयपुर द्वारा आयोजित 'आभार दिवस एवं स्नेह मिलन समारोह' सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पूर्व सहायक ब्लॉक विकास अधिकारी सुरेश जांगिड़ बैराती के मार्गदर्शन में मॉडर्न सोनी पब्लिक स्कूल, आगरा रोड के प्रांगण में श्रमिकों के उत्साहवर्धन, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगठन ने श्रमिक समाज को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और अग्रणी भूमिका दिलाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक गोपाल लाल मीणा ने कहा, 'श्रम करने वालों के सम्मान के लिए ऐसे संगठन एक अच्छी शुरुआत हैं। यह श्रमिकों को उनके मानसम्मान के हकदार बनाएगा।' जयपुर की प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सौम्यता सोमेंद्र शर्मा ने जोर दिया कि श्रमिकों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि देश-समाज के निर्माण में उनका योगदान अतुलनीय है। सोनी पब्लिक स्कूल के निदेशक महेश मीणा ने भी अपनी सेवाओं का उल्लेख करते हुए श्रमिकों को प्रोत्साहित किया।प्रमुख उपस्थितजन और सामूहिक प्रयाससमारोह में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नवल श्रीमाल, भाजपा नेता बंशीधर सैनी, हीरालाल सैनी, जेपी शर्मा, बसपा नेता जयसिंह धानका, पत्रकार मामराज मीणा, भाजपा नेता मोहनलाल सैनी, चंदालाल सैनी, दिनेश कुमार मौर्य, कजोड़ सैनी, सीताराम जांगिड़, महेश जांगिड़, बिशनलाल जांगिड़, मुरारी लाल जांगिड़, सत्यनारायण सोनी, सुभाष शर्मा, श्रीकांत तिवारी, राजेंद्र रावत सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं की भी सक्रिय भागीदारी रही। आयोजक सुरेश बैराती ने घोषणा की कि जल्द ही करोड़ों सदस्य जोड़कर महासभा को मजबूत बनाया जाएगा, ताकि श्रमिक समाज की अग्रणी भूमिका सुनिश्चित हो।अधिकारों की रक्षा पर जोरअखिल भारतीय मानवाधिकार, स्वतंत्रता एवं सामाजिक न्याय परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव (जन शिकायत) राम चंद्र जांगिड़ ने कहा, 'यह संगठन श्रमिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा में अग्रणी भूमिका निभाएगा। सभी समाज के श्रम करने वालों को एकजुट कर सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना हमारा लक्ष्य है।' कार्यक्रम में श्रमिकों को सम्मानित कर उत्साह बढ़ाया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में सकारात्मक संदेश फैला।समारोह ने जयपुर के ग्रामीण इलाकों में श्रमिक जागरूकता को नई दिशा दी। संगठन के प्रयासों से श्रमिकों को सामाजिक न्याय और सम्मान मिलने की उम्मीद जगी है।

रात्रि में मिल रही थ्री-फेस बिजली से किसानों की बढ़ी परेशानी

स्मार्ट हलचल

स्उपखंड क्षेत्र के किसानों ने रबी सीजन की फसलों की सिंचाई के लिए समय पर बिजली उपलब्ध नहीं होने पर रोष जताते हुए सोमवार को बिजली निगम कार्यालय पहुंचकर एईएन नितिन गुप्ता से मुलाकात की। किसानों ने बताया कि विभाग की ओर से उपखंड क्षेत्र में स्थित गाँव खरवा, कूल की ढाणी, खरखड़ी खुर्द, धोली ढाणी समेत कई ग्रामीण क्षेत्रों में रात 10 बजे से सुबह 3 बजे तक थ्री-फेस बिजली सप्लाई की जा रही है, जिससे सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है। किसानों ने बताया कि रात्रि समय कड़ाके की ठंड पड़ने के साथ ही क्षेत्र पहाड़ी होने के कारण जंगली जानवरों का खतरा हमेशा बना रहता है, ऐसे में रात के अंधेरे में खेतों में जाकर फसल की सिंचाई करना बेहद मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि समय पर सिंचाई नहीं होने से रबी की फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने बिजली निगम को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि कृषि कार्यों को ध्यान में रखते हुए दिन में थ्री-फेस बिजली सप्लाई की जाए, ताकि किसान सुरक्षित वातावरण में सिंचाई कर सकें और फसलों को नुकसान से बचाया जा सके। एईएन नितिन गुप्ता ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और समस्या के समाधान के लिए उचित प्रयास किए जाएंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान राकेश दायमा, कैलाश चंद मीणा, केला देवी, मिश्री देवी, बनारसी देवी, पूरण गुर्जर, हनुमान शर्मा, पुखराम सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

गीता में कहा गया है कि शुक्ल पक्ष में मरने वाला वापस लौट कर नहीं आता?

चारों वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। गीता ही प्रमुख धर्मग्रंथ है। गीता में कहा गया है कि शुक्ल पक्ष में मृत्यु को प्राप्त व्यक्ति वापस नहीं लौटता और कृष्ण पक्ष में मृत्यु को प्राप्त व्यक्ति वापस लौट आता है अर्थात उसे फिर से जन्म लेना होता है। उल्लेखनीय है कि भीष्म ने अपना शरीर तब तक नहीं छोड़ा था जब तक की उत्तरायण का शुक्ल पक्ष नहीं आ गया था। लाखों लोग हैं जो शुक्ल पक्ष में मरते हैं और लाखों ऐसे लोग भी हैं जो कृष्ण पक्ष में मरते हैं तो क्या शुक्ल पक्ष में मरने वाले सभी लोगों को मोक्ष मिल जाता है? क्या वह वापस धरती पर नहीं लौटते हैं? दरअसल, गीता में यह बात उन लोगों के लिए कही गई है जो कि ध्यानी, योगी या अनन्य भक्त हैं। आम व्यक्ति को मरने के कुछ ही समय बाद दूसरा जन्म ले लेता है लेकिन जो पाप कर्मी है उसे दूसरा जन्म लेने में कठिनाई होती है। मतलब यह कि वह भूत, प्रेत या पिशाच योगी भोगने के बाद ही जन्म लेगा। यह भी हो सकता है कि वह मनुष्य योनी को छोड़कर निचले स्तर की योनी में चला जाए। मतलब यह कि उसका डिमोशन हो जाए। कृष्ण का शुक्ल और कृष्ण मार्ग का ज्ञान-

यत्र काले त्वनावत्तिमावृत्तिं चैव योगिन:।
प्रयाता यान्ति तं कालं वक्ष्यामि भरतर्षभ।

भावार्थ : हे अर्जुन! जिस काल में (यहाँ काल शब्द से मार्ग समझना चाहिए, क्योंकि आगे के श्लोकों में भगवान ने इसका नाम 'सृति', 'गति' ऐसा कहा है।) शरीर त्याग कर गए हुए योगीजन तो वापस न लौटने वाली गति को और जिस काल में गए हुए वापस लौटने वाली गति को ही प्राप्त होते हैं, उस काल को अर्थात दोनों मार्गों को कहूँगा।

अग्निर्ज्योतिरह: शुक्ल: षण्मासा उत्तरायणम।
तत्र प्रयाता गच्छन्ति ब्रह्म ब्रह्मविदो जना:।

भावार्थ : जिस मार्ग में ज्योतिर्मय अग्नि-अभिमानी देवता हैं, दिन का अभिमानी देवता है, शुक्ल पक्ष का अभिमानी देवता है और उत्तरायण के छ: महीनों का अभिमानी देवता है, उस मार्ग में मरकर गए हुए ब्रह्मवेत्ता योगीजन उपयुक्त देवताओं द्वारा क्रम से ले जाए जाकर ब्रह्म को प्राप्त होते हैं।

धूमो रात्रिस्तथा कृष्ण षण्मासा दक्षिणायनम।
तत्र चान्द्रमसं ज्योतिर्योगी प्राप्य निवर्तते।

भावार्थ : जिस मार्ग में धूमाभिमानी देवता है, रात्रि अभिमानी देवता है तथा कृष्ण पक्ष का अभिमानी देवता है और दक्षिणायन के छ: महीनों का अभिमानी देवता है, उस मार्ग में मरकर गया हुआ सकाम कर्म करने वाला योगी उपयुक्त देवताओं द्वारा क्रम से ले गया हुआ चंद्रमा की ज्योत को प्राप्त होकर स्वर्ग में अपने शुभ कर्मों का फल भोगकर वापस आता है।

शुक्ल कृष्णे गती ह्येते जगत: शाश्वते मते।
एकया यात्यनावृत्ति मन्ययावर्तते पुन:।

भावार्थ : क्योंकि जगत के ये दो प्रकार के- शुक्ल और कृष्ण अर्थात देवयान और पितृयान मार्ग सनातन माने गए हैं। इनमें एक द्वारा गया हुआ (अर्थात इसी अध्याय के श्लोक 24 के अनुसार अर्चिमार्ग से गया हुआ योगी।)- जिससे वापस नहीं लौटना पड़ता, उस परमगति को प्राप्त होता है और दूसरे के द्वारा गया हुआ (अर्थात इसी अध्याय के श्लोक 25 के अनुसार धूममार्ग से गया हुआ सकाम कर्मयोगी।) फिर वापस आता है अर्थात जन्म-मृत्यु को प्राप्त होता है।

क्या है कृष्ण और शुक्ल पक्ष?

हिन्दू माह में तीस दिन होते हैं। तीस दिनों को चंद्र के घट-बढ़ के अनुसार 15-15 तिथियों में बांटा गया है। चंद्र जब बढ़ने लगता है तो उस काल को शुक्ल पक्ष और जब घटने लगता है तो उस काल को कृष्ण पक्ष कहते हैं। शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि पूर्णिमा और कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि अमावस्या होती है। शुक्ल पक्ष को देवताओं का दिन और कृष्ण पक्ष को पितरों का दिन कहते हैं। इसी तरह उत्तरायण को देवताओं का काल और दक्षिणायन को पितरों का काल कहते हैं।

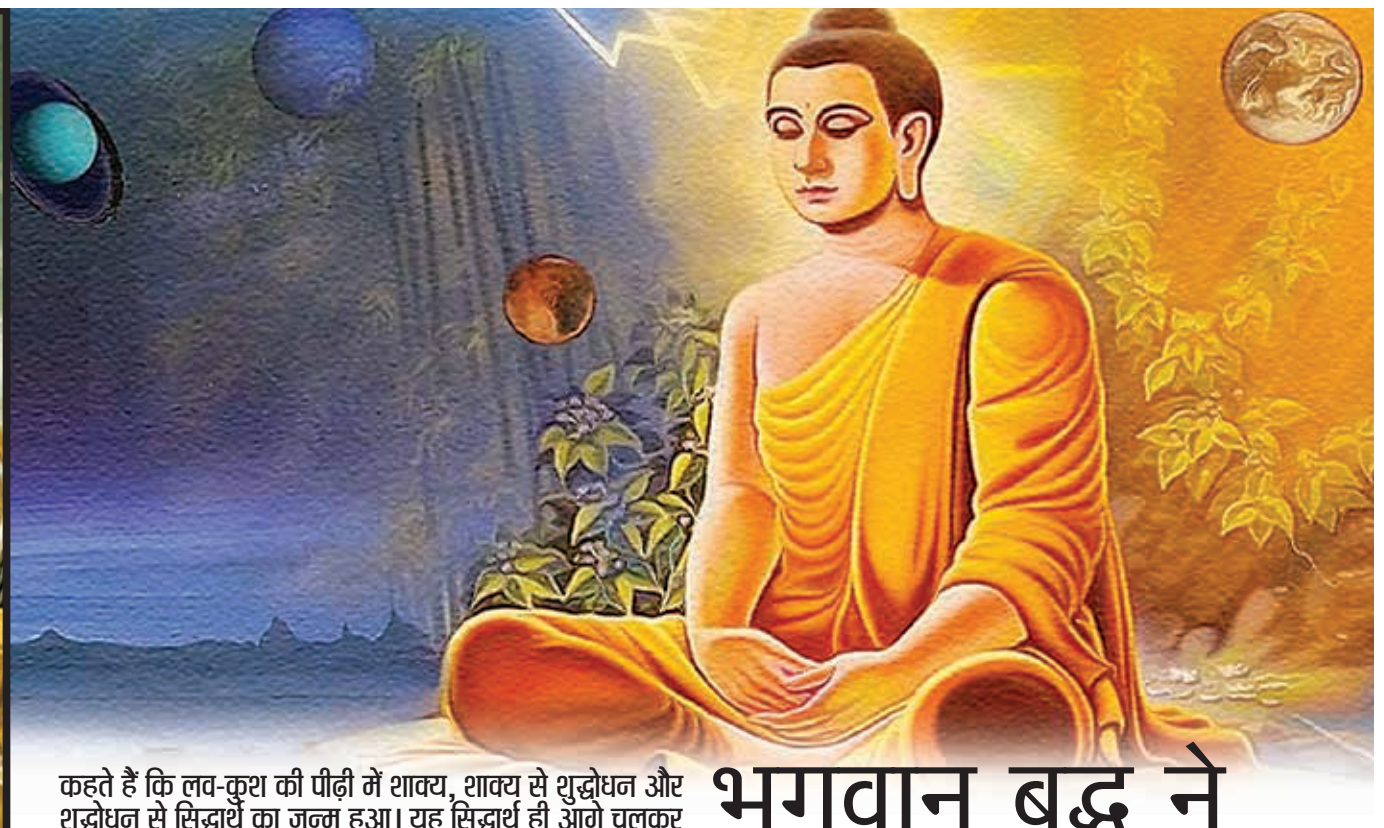

भगवान बुद्ध ने नहीं दिए थे इन प्रश्नों के उत्तर?

कहते हैं कि लव-कुश की पीढ़ी में शाक्य, शाक्य से शुद्धोधन और शुद्धोधन से सिद्धार्थ का जन्म हुआ। यह सिद्धार्थ ही आगे चलकर गौतम बुद्ध ने नाम से प्रसिद्ध हुए। गौतम बुद्ध के दर्शन में अनीश्वरवाद, अनात्मवाद और क्षणिकवाद को महत्व दिया जाता है। उनका मानना था कि संबुद्ध होना ही सत्य है। इसके लिए ही उन्होंने आष्टांगिक मार्ग बताएं हैं।

गौतम बुद्ध से उनके जीवन में लाखों प्रश्न पूछे गए लेकिन उनमें से 14 प्रश्नों के उन्होंने जवाब नहीं दिए। जब भगवान बुद्ध से जीव, जगत आदि के विषय में चौदह दार्शनिक प्रश्न किए जाते थे तो वे सदा मौन रह जाते थे। ये प्रसिद्ध चौदह प्रश्न निम्नांकित हैं-

1-4 क्या लोक शाश्वत है? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं?
5-8 क्या जगत नाशवान है? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं?
9-11. तथागत देह त्याग के बाद भी विद्यमान रहते हैं? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं?
11-14 क्या जीव और शरीर एक हैं? अथवा भिन्न?
14 अव्याकृत प्रश्न : बौद्ध धर्म में इन प्रश्नों को अव्याकृत कहा गया है। अव्याकृत का अर्थ है जो व्याकरण-सम्मत नहीं है।

क्यों उत्तर नहीं दिया

उक्त प्रश्न पर बुद्ध मौन रह गए। इसका तात्पर्य यह नहीं कि वे इनका उत्तर नहीं जानते थे। उनका मौन केवल यही सूचित करता है कि यह व्याकरण-सम्मत नहीं थे। इनसे जीवन का किसी भी प्रकार से भला नहीं होता। उक्त प्रश्नों के पक्ष या विपक्ष में दोनों के ही प्रमाण या तर्क जुटाए जा सकते हैं। इन्हें किसी भी तरह से सत्य या असत्य सिद्ध किया जा सकता है। यह पारमार्थिक दृष्टि से व्यर्थ है।

जानिए हिन्दू देवता पूषन देव को

पूषन एक वैदिक देवता है। पूषन वह देवता हैं जो विवाह के संचालन में मदद करते, सुरक्षित यात्रा प्रदान करते और उन दिलों में वास करते हैं जो पशुओं को भोजन खिलाते हैं। वह हमारे कर्मों के अनुसार वे फल देते हैं। वह आत्माओं को दूसरे संसार की यात्रा करने के लिए पथप्रदर्शन करते हैं। वह लोगों की मृत्यु के समय के दौरान अपनी सुंदर उपस्थिति दिखाकर उनके भय को दूर करते हैं। वह तीर्थ यात्रियों को चोरों और जानवरों से बचाते हैं और लोगों को दुश्मनों, दुर्घटनाओं और अप्राकृतिक मृत्यु से बचाकर लोगों को दिव्य पथ पर ले जाते हैं। वह देने वाले देवता भी हैं जो हमरे जीवन में धन, स्वास्थ और समृद्धि देते हैं। जब हम एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हैं, तो वह हमारे सामान की सुरक्षा भी करते हैं। वह हमारे दिमाग में बुरे विचारों को दूर करते हैं, काला जादू को दूर करते हैं और कई खतरनाक बीमारियों को ठीक करते हैं।

वह मुख्य रूप से सभी प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं से लोगों को राहत देते हैं जो चक्रवात, बाढ़, भारी बारिश और सुनामी के कारण होती हैं। वह शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए, हमारे लिए सभी कार्य करते हैं। वह हमेशा उन भक्तों की देखभाल करते हैं जो किसी भी रूप में ईश्वर की पूजा करते हैं और चाहें दूसरे धर्म के लोग भी हो, लेकिन वे लोगों से केवल यही अपेक्षा रखते हैं कि वे भगवान की सच्ची भक्ति करें। यदि हमारे अंदर ईश्वर के लिए शुद्ध भक्ति है, तो वह हमारे पूर्व कर्मों के आधार पर हमरे जीवन में अच्छे काम करेंगे। वह हमारे बुरे कर्मों को कुछ हद तक कम करने और हमारे जीवन में अच्छे परिणाम देने की शक्ति भी रखते हैं लेकिन वह किसी व्यक्ति के पूरे भाग्य को नहीं बदल सकते हैं। उनका उल्लेख ऋग्वेद और प्राचीन पुराणों और धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है। वह यज्ञ में भाग भी लेते हैं। वह यज्ञ कर्ता और लोगों को आशीर्वाद देते हैं। वह विभिन्न बीमारियों जैसे खांसी, सर्दी, दमा, हृदय की समस्याओं और कई अन्य लंबे समय से चली आ रही बीमारियों से तेजी से राहत दिलाएंगे। वह लोगों को मानसिक विकार, मन में भ्रम, ऊर्जा की कमी, सुस्ती, आलस्य और मानसिक अस्थिरता से भी छुटकारा दिलाते हैं। विभिन्न होम का आयोजन करते समय उनका नाम कई बार दोहराया जाता है। उन्हें इंद्र, वरुण, अग्नि, वायु, सूर्य और चंद्र जैसे वैदिक देवताओं के समकक्ष माना जाता है। उसके पास अलौकिक शक्तियां हैं और आपकी पुकार सुनकर किसी भी क्षण किसी भी स्थान पर पहुंच जाएंगे। हम उसके नाम का बार-बार जाप कर सकते हैं, ताकि वह जीवन के हर पड़ाव में हमारे साथ हों। पुराणों में पूषन को 12 आदित्यों में से एक के रूप में वर्णित किया गया है और वे अदिति एवं कश्यप के पुत्र हैं। उनके भाई सूर्य, वरुण और इंद्र हैं। वह हमारे लिए एक अंगरक्षक के रूप में कार्य करते हैं और हमारे दैनिक जीवन में हमारी सभी इच्छाओं को पूरा करते हैं। यद्यपि वह अन्य देवताओं के समान नहीं जाने जाते हैं। वह वैदिक देवताओं में भी एक है और पृथ्वी पर लोगों की मदद करते हैं। वह भगवान इंद्र द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने कर्तव्यों को करते हैं और उसके लिए एक सहायक मित्र के रूप में भी कार्य करते हैं। वह अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन करने के लिए वायु, वरुण, सूर्य और चंद्र जैसे अन्य देवताओं के साथ भी परस्पर बातचीत करते हैं। वह कई ऋषियों द्वारा पूजे जाते हैं, और वे ऋषि उनसे आशीर्वाद लेते हैं। वह ऋषियों को उनकी तपस्या को सही तरीके से करने में मदद करते हैं और तपस्या करते समय उनके कारण हुई भूल को दूर करते हैं। सामान्य तौर पर, हम कह सकते हैं कि वह पूरी दुनिया के लिए मित्रवत हैं। आइए हम उनकी महिमा का गुणगान करें और धन्य हों।

श्रीकृष्ण का यह मंदिर मात्र 2 मिनट के लिए बंद होता है

केरल के कोट्टायम जिले में तिरुवेरपु या थिरुवरप्पु में भगवान श्रीकृष्ण का एक प्रसिद्ध और चमत्कारिक मंदिर है जिसे तिरुवरप्पु श्रीकृष्ण मंदिर कहते हैं। इस मंदिर के संबंध में कई तरह की किंवदंतियां जुड़ी हुई हैं। एक यह है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने कंस को मारा था तो उनको बहुत भूख लगने लगी थी। कहते हैं कि यहां की श्रीकृष्ण की मूर्ति को भूख बर्दाश्त नहीं होती है। 1,500 साल पुराने इस मंदिर की दूसरी खासियत यह है कि यह मंदिर 24 घंटे में से मात्र 2 मिनट के लिए ही बंद होता है और वह समय है- सुबह 1158 बजे से 1200 बजे तक। मंदिर 2 मिनट से ज्यादा बंद नहीं रख सकते। इसके लिए पुजारी को एक कुल्हाड़ी दी जाती है, क्योंकि मंदिर खोलते वक्त यदि देर हो तो वह कुल्हाड़ी से ताला तोड़ दे। दरवाजा खोलने के लिए चाबी दी जाती है, लेकिन यदि चाबी कहीं फंस जाए तो तुरंत कुल्हाड़ी का उपयोग करें।

इसके पीछे मान्यता है कि यहां भगवान कृष्ण हमेशा भूखे रहते हैं और वे जरा भी देर के लिए भूख बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। इसीलिए यदि चाबी के साथ दरवाजा खोलने में कोई देरी होती है, तो पुजारी को कुल्हाड़ी से दरवाजा खोलने की अनुमति दी जाती है। यहां कम से कम 10 बार नैवेद्यम चढ़ाया जाता है। अभिषेकम समाप्त होने के बाद स्वामी (श्रीकृष्ण) का सिर पहले सूख जाता है। तब नैवेद्यम चढ़ाया जाता है और फिर केवल उसका शरीर सूख जाता है। कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण के सोने का समय 1158 बजे से दोपहर 1200 बजे तक ही है। केवल 2 मिनट! भक्तों के लिए यह मंदिर सुबह के लगभग 2 बजे खुलता है।

यह मंदिर ग्रहण के समय भी बंद नहीं होता है। शंकराचार्य के समय एक बार इस मंदिर को ग्रहण के समय बंद कर दिया गया था। बाद में जब दरवाजा खोला गया तो उन्होंने पाया कि स्वामी की कमर की पट्टी नीचे खिसक गई है। उस समय आए आदिशंकराचार्य ने बताया कि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण बहुत भूखे थे, तब से यह मंदिर ग्रहण काल के दौरान भी बंद नहीं किया जाता है। कहते हैं कि जो भी यहां का थोड़ा भी प्रसाद ग्रहण कर लेते हैं, उसे ऐसा लगता है कि पेट भर गया। यहां से प्रसादम का सेवन किए बिना किसी भी भक्त को जाने की अनुमति नहीं है। हर दिन 1157 बजे (मंदिर को बंद करने से पहले) पुजारी जोर से पुकारता है कि क्या कोई भी यहां है जिसने प्रसाद नहीं लिया हो?

ऐसा भी कहा जाता है कि जो भी व्यक्ति एक बार यहां का प्रसाद ग्रहण कर लेता है, वह फिर जीवन में कभी भी भूखे नहीं रहता है। मतलब यह कि उसके जीवन में भोजन प्राप्त करने में कोई समस्या नहीं होती है। यहां अप्रैल के महीने में 10 दिनों तक वार्षिक उत्सव मनाया जाता है। त्योहार का मुख्य आकर्षण यह है कि यहां युवा कुंआरी लड़कियां समारोहों के दौरान दीप जलाती हैं। इस मंदिर के बारे में एक कथा यह भी प्रचलित है कि महाभारत काल में जब पांडव जंगल में रहते थे तो श्रीकृष्ण ने उन्हें 4 हाथ वाली अपनी प्रतिमा दी थी। जब पांडव जंगल से जाने लगे तो चेरथलाई लोगों ने यह मूर्ति उनसे ले ली। कुछ काल तक वे इसकी पूजा करते रहे लेकिन बाद में उन्होंने कुछ कारणों से इसे समुद्र में फेंक दिया। लंबे समय के बाद यह मूर्ति केरल के एक महान ऋषि को मिली, जब वे नाव से यात्रा कर रहे थे। कहते हैं कि जब उनकी नाव डूब रही थी, तब इस मूर्ति को लेकर कोई दिव्य पुरुष प्रकट हुआ और उसने यह मूर्ति उन्हें दी थी। इस मूर्ति को लाकर उन ऋषि ने उसे यहां स्थापित कर दिया। इस संबंध में और भी कहानियां प्रचलित हैं।

मार्गशीर्ष माह में पूजें शंख को जानिए पूजन सामग्री की सूची विधि एवं मंत्र

धर्म शास्त्रों के अनुसार सुख-सौभाग्य में वृद्धि के लिए शंख को अपने घर में स्थापित करना चाहिए। माना जाता है कि अगहन (मार्गशीर्ष) के महीने में शंख पूजन का विशेष महत्व है। अगहन के महीने में किसी भी शंख को भगवान श्रीकृष्ण का पंचजन्य शंख मान कर उसका पूजन-अर्चन करने से मनुष्य की समस्त इच्छाएं पूरी होती हैं। विष्णु पुराण के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान प्राप्त हुए 14 रत्नों में से ये एक रत्न है शंख। प्रतिदिन घर में शंख पूजन करने से जीवन में कभी भी रुपए-पैसे, धन की कमी महसूस नहीं होती। इसके अलावा दक्षिणावर्ती शंख को लक्ष्मी स्वरूप कहा जाता है। इसके बिना लक्ष्मी जी की आराधना पूरी नहीं मानी जाती है। अगहन मास में खास तौर पर लक्ष्मी पूजन करते समय दक्षिणावर्ती शंख की पूजा अवश्य करनी चाहिए।

शंख पूजन सामग्री की सूची

*शंख *कुंमकुंम *चावल *जल का पात्र *कच्चा दूध
*एक स्वच्छ कपड़ा *एक तांबा या चांदी का पात्र (शंख रखने के लिए)
*सफेद पुष्प *इत्र *कपूर *केसर *अगरबत्ती
*दीया लगाने के लिए शुद्ध घी *भोग के लिए नैवेद्य *चांदी का वर्क आदि।

कैसे करें पूजन

- प्रात: काल में स्नान कर स्वच्छ धुले हुए वस्त्र धारण करें।
- पटिए पर एक पात्र में शंख रखें।
- अब उसे कच्चे दूध और जल से स्नान कराएं।
- अब स्वच्छ कपड़े से उसे पोंछें और उस पर चांदी का वर्क लगाएं।
- तत्पश्चात घी का दीया और अगरबत्ती जला लीजिए।
- अब शंख पर दूध-केसर के मिश्रित घोल से श्री एकाक्षरी मंत्र लिखें तथा उसे चांदी अथवा तांबा के पात्र में स्थापित कर दें।
- अब उपरोक्त शंख पूजन के मंत्र का जप करते हुए कुंमकुंम, चावल तथा इत्र अर्पित करके सफेद पुष्प चढ़ाएं।
- नैवेद्य का भोग लगाकर पूजन संपन्न करें।
- अगहन मास में निम्न मंत्र से शंख पूजा करनी चाहिए -

त्वं पुरा सागरोत्पन्न विष्णुना विधृत: करे।
निर्मित: सर्वदेवैश्च पाञ्चजन्य नमोस्तु ते।
तव नादेन जीमूता वित्रसन्ति सुरासुरा:।
शशांकायुतदीप्ताभ पाञ्चजन्य नमोस्तुते।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com